नई दिल्ली। सोमवार, 10 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 216 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप... @ विचार बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ बच्चों... @ व्यापार भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष...

‘जो खेलेगा, वो खिलेगा ऑलवेज चियर फोर भारत’ : पीएम मोदी

कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट से मिले पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ‘कॉमनवेल्थ गेम्स 2026’ में देश के लिए मेडल जीतने वाले एथलीट्स से मुलाकात की। खिलाड़ियों के साथ एक वीडियो साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ‘जो खेलेगा, वो खिलेगा... ऑलवेज चियर फोर भारत’।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक ‘एक्स’ अकाउंट पर साझा किए गए इस वीडियो की शुरुआत विमेंस 51 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड जीतने वाली बॉक्सर साक्षी चौधरी ने की। उन्होंने कहा, ‘हैलो फ्रेंड्स, मैं साक्षी चौधरी... आज हम सभी कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट को आदरणीय प्रधानमंत्री सर ने बुलाया है। हमें इस पर काफी गर्व महसूस हो रहा है। हमें प्रधानमंत्री से मिलकर बहुत खुशी हुई। वह बहुत विनम्र हैं।‘

इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, ‘जो खेलेगा, वो खिलेगा, ऑलवेज चियर फोर भारत।’ अपनी बात समाप्त करते हुए पीएम मोदी ने खिलाड़ियों के साथ ‘भारत माता की जय’ का उद्घोष किया। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कुल 39 मेडल अपने नाम किए। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत इस शानदार प्रदर्शन के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेताओं में 23 पुरुष एथलीट्स ने 23 मेडल हासिल किए, जिनमें 5 गोल्ड, 13 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल थे। वहीं, महिला एथलीट्स ने 16 मेडल (8 गोल्ड, 4 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) जीते। इस संस्करण में भारतीय मुक्केबाजों ने अपना दमखम दिखाया। सभी 10 मुक्केबाजों ने मेडल हासिल किए। इनमें 7 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल थे। एथलेटिक्स में देश ने कुल 16 मेडल (3 गोल्ड, 7 सिल्वर, 6 ब्रॉन्ज) अपने नाम किए। वहीं, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में देश ने 16 मेडल जीते।

इस बार जूडो में भी भारत ने अपना लोहा मनवाया। देश के 4 जूडोका ने मेडल हासिल किए। भारत ने पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता। एक ही दिन अस्मिता डे (विमेंस 48 किग्रा) और हर्ष सिंह (मेंस 60 किग्रा) ने इस खेल में देश को गोल्ड दिलाए।

इजरायल पर हमला करने से बच रहा है ईरान, जानता है अंजाम : नेतन्याहू

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान कई देशों पर हमला कर रहा है लेकिन इजरायल पर सीधे हमला करने से बच रहा है क्योंकि उसे इजरायल की जवाबी कार्रवाई का डर है। नेतन्याहू ने साफ किया कि उनके रहते ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा, ‘ ’आपने एक दिलचस्प बात जरूर नोट की होगी।

जेपीएससी के तीनों सदस्यों ने दिया इस्तीफा

10 अगस्त से सीआईडी करेगी पूछताछ

एजेंसी ■ रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच रविवार को बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया। आयोग के तीन सदस्यों डॉ. अजीता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है। हालांकि, इस्तीफे के कारणों की आधिकारिक जानकारी तत्काल सामने नहीं आई है।

जेपीएससी की हालिया प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली को लेकर आयोग पहले से विवादों में है। अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की जा रही है। इसी बीच तीन सदस्यों के एक साथ इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इधर, कथित परीक्षा अनियमितताओं की जांच कर रहा अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) आयोग के तीनों सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ करेगा।

अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को डॉ. अजीता भट्टाचार्य, मंगलवार को डॉ. अनिमा हांसदा और बुधवार को डॉ. जमाल अहमद से पूछताछ की जाएगी। जरूरत पड़ने पर तीनों को दोबारा भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इससे पहले सीआईडी जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते से चार दौर में पूछताछ कर चुकी है। उनसे परीक्षा प्रक्रिया और आयोग के स्तर पर लिए गए फैसलों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई थी। 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान सीआईडी की कार्रवाई लगातार आगे बढ़ रही है। शनिवार को पांच दिनों की रिमांड के दूसरे दिन मुख्य सचिव कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार और परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के अकाउंटेंट रक्षक सिंह से भी पूछताछ जारी रही। जांच एजेंसी दोनों से परीक्षा प्रक्रिया, कथित अनियमितताओं और संबंधित लोगों के बीच संपर्क को लेकर जानकारी जुटा रही है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर सीआईडी आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, जांच में मिले सुरागों के आधार पर आने वाले दिनों में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

धार के पास भीषण सड़क हादसा, गुजरात के छह युवकों की मौत

एजेंसी ■ भोपाल/धार

मध्य प्रदेश में रविवार को धार-उज्जैन-पेटलावद फोरलेन हाईवे पर पंचकवासा गांव के पास एक वैन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में गुजरात के गोधरा और पंचमहल जिलों के छह युवकों की मौत हो गई।

पीड़ित उज्जैन के महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब 1:00 बजे हुआ, जब सात युवकों को ले जा रही वैन (रजिस्ट्रेशन नंबर जीजे17सीके6134) गुजरात की ओर जा रही थी। लोहे का सामान लदा एक ट्रेलर (रजिस्ट्रेशन नंबर जीजे39टीबी9248) बड़नगर-उज्जैन मार्ग पर गलत दिशा में तेज गति से उज्जैन की ओर आ रहा था और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।वैन में सवार छह लोगों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छठा युवक, जो गंभीर रूप से घायल था, अस्पताल ले जाते समय उसकी भी मौत हो गई। धार के एएसपी विजय डाबुर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, ‘हादसे में मारे गए लोगों की पहचान नितेश भाई, पिता प्रकाश भाई (गोधरा); मयूर कुमार चौहान, पिता प्रकाश भाई (गोधरा); विशाल कुमार, पिता रमेश भाई परमार (पंचमहल); राकेश, पिता भूपत भाई (गोधरा) के रूप में हुई है और दो अन्य लोगों की पहचान अभी बाकी है।’ हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर बड़नगर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाहा, तहसीलदार सुरेश नगर और एसडीएम प्रियंका मिमरोद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, चालक का पीछा किया और उसे पकड़ लिया।

ममता बनर्जी के काफिले पर पथराव

पूर्व सीएम का आरोप-पुलिस के सामने हुआ सब कुछ

एजेंसी ■ बैरकपुर

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है।

ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। यह क्या हो रहा है?

उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पुलिस भाजपा को सुरक्षा दे रही है। ममता बनर्जी ने इस घटना को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी, जिस टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं।

ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से 3 करोड़ का गोल्ड बरामद, तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी ■ नागपुर

रविवार को नागपुर रेलवे स्टेशन पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3 करोड़ 9 लाख रुपए मूल्य का विदेशी गोल्ड जब्त किया है। यह गोल्ड भारत- बांग्लादेश सीमा से तस्करी करके ट्रेन के जरिए लाया जा रहा था। लेकिन डीआरआई की नागपुर टीम ने खुफिया इनपुट के आधार पर ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस ट्रेन में दबिश देते हुए एक संदिग्ध यात्री को दबोच लिया और उसके पास से सोने के 16 बिस्किट बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक, बरामद गोल्ड का कुल वजन 2165 किलोग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 9 लाख रुपए बताई जा रही है।

डीआरआई अधिकारियों को सूचना मिली थी कि तस्करी का सोना ट्रेन संख्या 12102 की ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जरिए आगे ले जाया जा रहा है। इसके बाद अधिकारियों ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध यात्री की निगरानी शुरू की और उसे दबोच लिया।

पेंट की सेलोटेप और अखबार में छिपाया था गोल्ड

तस्करी के सोने को छिपाने के लिए आरोपी यात्री ने खास तरीका अपनाया था। गोल्ड बिस्किट को उसने पेंट की रंगीन सेलोटेप से लपेटने के बाद पुराने अखबार में बांधकर रखा था। जिसका मकसद गोल्ड की पहचान छिपाना और तलाशी के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देना था। हालांकि, डीआरआई को मिली पुख्ता जानकारी के कारण तस्करी की योजना सफल हो गई। प्रारंभिक जांच में आरोपी ने कथित तौर पर तस्करी के गोल्ड को छिपाने और उसे निर्धारित व्यक्ति तक पहुंचने की बात स्वीकार कर ली है।

इस बीच डीआरआई ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गोल्ड के 16 बिस्किट जब्त करने के साथ-साथ आरोपी यात्री को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल डीआरआई अधिकारी इस पूरे मामले की गहन पड़ताल कर रही है। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि गोल्ड भारत में कहां से लाया गया था और तस्करी के इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा बरामद गोल्ड की खेप आखिर किस व्यक्ति तक पहुंचाई जानी थी। एजेंसी को आशंका है कि इस मामले के पीछे एक बड़ा तस्करी नेटवर्क सक्रिय हो सकता है।

गुजरात मॉडल की तर्ज पर शराबबंदी लागू करने पर विचार करे बिहार सरकार : मांझी

एजेंसी ■ पटना

केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतनराम मांझी ने एक बार फिर बिहार में लागू शराबबंदी नीति की समीक्षा करने की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से गुजरात मॉडल की तर्ज पर शराबबंदी लागू करने पर विचार का आग्रह किया।

पटना में ‘हम’ युवा प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए मांझी ने कहा कि शराबबंदी कानून का उद्देश्य अच्छा है लेकिन इसके लागू करने के तरीके में कई समस्याएं हैं। उनका आरोप है कि पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर इस कानून के क्रियान्वयन में अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। मांझी ने कहा कि वह मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार सरकार तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की जन्मभूमि गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी शराबबंदी लागू है, लेकिन लोगों को उन परेशानियों और निराशाओं का सामना नहीं करना पड़ता, जो बिहार में देखने को मिलती हैं। हम प्रमुख ने कहा कि वह लंबे समय से बिहार में गुजरात जैसी शराबबंदी व्यवस्था लागू करने की वकालत करते रहे हैं। मांझी के अनुसार, सरकार को निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को और मजबूत करना चाहिए, ताकि अधिकारी शराबबंदी कानून का दुरुपयोग न कर सकें।

भारत-अमेरिका की नौसेनाएं करेंगी समुद्र में छिपे विस्फोटकों से निपटने का अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय और अमेरिकी नौसेना एक विशेष अभ्यास करने जा रही हैं। इसके तहत समुद्र के भीतर छिपे विस्फोटक खतरों को खोजने और उन्हें निष्क्रिय करने का अभ्यास किया जाएगा। दोनों देशों के नौसैनिक विशेषज्ञ एक साथ प्रशिक्षण लेंगे। भारत व अमेरिका की नौसेनाओं का यह ‘एक्सपलोसिव ऑर्डेनेंस डिस्पोजल’ (ईओडी) अभ्यास 10 से 14 अगस्त तक कोच्चि स्थित नौसेना की दक्षिणी कमान में आयोजित किया जाएगा।

यह महत्वपूर्ण समुद्री अभ्यास पांच दिन तक चलेगा। इसमें दोनों नौसेनाओं के विशेषज्ञ गोताखोर और विस्फोटक आयुध निष्क्रियकरण दल एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। दोनों ही देशों के नौसैनिक तकनीक और काम करने के अपने-अपने तरीके साझा करेंगे। अभ्यास के दौरान विशेषज्ञों के बीच चर्चा, संयुक्त प्रशिक्षण, उपकरणों का प्रदर्शन और अलग-अलग चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर आधारित व्यावहारिक अभ्यास होंगे।

तीर तेवर —— सागर कुमार

लाखों रुपए के नोटों से सजी दो कांवड़

सुरक्षा में लगी यूपी पुलिस, देखने वालों का लगा तांता

एजेंसी ■ हरिद्वार

हरिद्वार से गंगाजल लेकर जगाधरी-यमुनानगर जा रही नोटों से सजी दो कांवड़ों की सुरक्षा में उत्तर प्रदेश पुलिस भी साथ चल रही है। सहारनपुर में पहुंची इन कांवड़ों को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है।

एक कांवड़ पर करीब 2.70 लाख रुपये और दूसरी पर करीब 50 हजार रुपये के नोट लगाए गए हैं। संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस कांवड़ को अगली चौकी तक सुरक्षा दे रही है, इसके बाद अगले क्षेत्र की पुलिस जिम्मेदारी संभाल रही है। इस बार अभी तक हरिद्वार से नोटों वाली छह कांवड़ निकल चुकी है।

2.70 लाख व 50 हजार रुपये के नोट वाली कांवड़ पांच अगस्त को हरिद्वार हरकी पैड़ी पर विशेष पूजा अर्चना करने के साथ रवाना हुई थी। इन शिव भक्तों को 10 अगस्त तक जगाधरी-यमुनानगर पहुंचा है। 2.70 लाख रुपये के नोटों से सजी कांवड़ को तैयार करने में करीब दो दिन लगे। इस पर 500, 200, 100, 50 और 10 रुपये के नोट लगाए गए हैं।

डेढ़ दिन में तैयार हुई कांवड़

कांवड़ यात्री मोनू के अनुसार, वह लगातार चौथे वर्ष नोटों से सजी कांवड़ लेकर जा रहे हैं। पहली बार करीब एक लाख रुपये के नोट लगाए थे। इसके बाद यह राशि बढ़कर डेढ़ लाख, ढाई लाख और अब 2.70 लाख रुपये हो गई है। उनका अगली बार करीब पांच लाख रुपये के नोटों से कांवड़ सजाने का इरादा है। उनके साथ करीब 10 शिव भक्तों की टीम है।

मोनू ने बताया कि बड़ी-बड़ी कांवड़ और बड़े डीजे सेटअप देखकर उनके मन में कुछ अलग करने का विचार आया। इसके बाद उन्होंने नोटों से कांवड़ सजाने का निर्णय लिया। वहीं, जगदीप की कांवड़ करीब 50 हजार रुपये के नोटों से सजाई गई है। इसे तैयार करने में करीब डेढ़ दिन लगा। रात में लोग कांवड़ देखने और उसे छूने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में शिव भक्त बारी-बारी से जागकर इसकी निगरानी करते हैं। पुलिस की मौजूदगी से उन्हें सुरक्षा में काफी मदद मिल रही है।

उपराष्ट्रपति ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में मनाए जाने वाले अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर श्री विजयपुरम के ध्वज बिंदु पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' का उद्घाटन किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा किया।

भारत के उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दौरे के तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा किया। उन्होंने ऐतिहासिक जगहों का दौरा किया, जिसमें वह इमारत भी शामिल है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस दिसंबर 1943 में अंडमान द्वीप समूह की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान रुके थे। उन्होंने चर्च, सैनिकों की बैरक, गन पॉइंट एरिया और स्मृतिका संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां उन्हें द्वीप के समृद्ध इतिहास और इसके भविष्य के विकास की प्रस्तावित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इससे पहले उन्होंने डीबीआरएटी सभागार में वंदे मातरम के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह और तिरंगा संगीत कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान को शुरू करने के लिए इन ऐतिहासिक द्वीपों से अधिक उपयुक्त स्थान अन्य कोई और नहीं हो सकता, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम और तिरंगे के इतिहास से गहराई से जुड़े हुए हैं। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के अमर शब्दों को याद करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया जाने वाला 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान इस भावना को आगे बढ़ाते हुए सभी नागरिकों को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य के अंतर्गत एकजुट करता है।

भीषण काला पानी का सामना करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का सिर्फ एक भौगोलिक हिस्सा नहीं है। यह बलिदानों की एक पवित्र भूमि है। उन्होंने वीर विनायक दामोदर सावरकर और सेलुलर जेल में कष्ट सहने वाले अनगिनत अन्य देशभक्तों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका साहस, देशभक्ति और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

झारखंड : 14वीं जेपीएससी पीटी रद्द, सरकार ने कई मांगें मानीं, सीजीएल एग्जाम कैंसिल नहीं, विधानसभा घेरेंगे छात्र

विश्व केसरी

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली व पेपर लीक को लेकर बीते 16 दिनों से जारी आंदोलन के बीच रविवार को तीसरे दौर की वार्ता के दौरान सरकार ने छात्रों की कई बड़ी मांगें मान ली हैं। बैठक में बनी सहमति के तहत छात्रों के भारी विरोध और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों को देखते हुए 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया गया है।

इसके साथ ही विवादित वेंडर एजेंसी 'टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा आयोजित की गई सभी पूर्व परीक्षाओं के दौरान वित्तीय लेनदेन के आरोपों की जांच ईडी से कराने पर भी सरकार सहमत हो गई है। हालांकि, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की छात्रों की मांग सरकार ने नहीं मानी है। सरकार ने इस परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों की न्यायिक जांच का निर्णय लिया है।

इस बीच छात्रों ने कहा कि इस प्रमुख मांग को नहीं माने जाने के कारण 10 अगस्त को विधानसभा घेराव किया जाएगा। अनशनकारियों ने अनशन जारी रखने का ऐलान किया है। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि पारदर्शी और धांधली मुक्त परीक्षाएं आयोजित कराने के लिए सरकार व्यापक नीतिगत सुधार लागू करने जा रही है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय सुधार समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान रांची और जेवियर समाज सेवा संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ-साथ छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।

वार्ता के बीच ही हाई लेवल कमेटी में शामिल मंत्रियों ने अनशनरत देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की। मंत्रियों ने उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

हैदराबाद में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया बोनालु त्योहार, मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद में रविवार को सालाना 'बोनालु' त्योहार पूरे पारंपरिक उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर भर के महाकाली मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली।

बोनालु उत्सव तेलंगाना का एक प्रमुख और राजकीय त्योहार है, जो हर साल आषाढ़ मास (जुलाई-अगस्त) में देवी महाकाली और उनके विभिन्न स्वरूपों को समर्पित होता है। इस दौरान महिलाएं सिर पर चावल, गुड़ और दूध से भरे सजे हुए 'बोनम' पात्र रखकर मंदिरों में प्रसाद चढ़ाती हैं तथा अच्छी सेहत और समृद्धि की कामना करती हैं।

ओल्ड सिटी के लाल दरवाजा स्थित सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में 118वें वार्षिक बोनालु उत्सव के मौके पर विशेष पूजा की गई। मंत्री, विधायक और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी दर्शन के लिए पहुंचे। नेताओं ने लाल दरवाजा महाकाली मंदिर, शाह अली बंदा के ऐतिहासिक अक्कन्ना मादन्ना मंदिर और शहर के अन्य हिस्सों में देवी के मंदिरों में पूजा की।

शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर जीतन राम मांझी ने उठाए सवाल, बोले- बिहार में लागू हो गुजरात मॉडल

विश्व केसरी

पटना। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नशाबंदी का कानून सही होना चाहिए, लेकिन इसके क्रियान्वयन में गड़बड़ी के कारण कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की अपील की। जीतन राम मांझी ने कहा, 'नशाबंदी का जो कानून है, वह ठीक कानून होना चाहिए। उसके इंप्लीमेंटेशन में गड़बड़ी होने से कहीं-कहीं अनेक प्रकार की बातें सामने आती हैं।' उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी को लेकर सरकार को ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिए, जिससे आम लोगों को परेशानी नहीं हो और कानून का दुरुपयोग भी न हो। मांझी ने गुजरात में लागू शराबबंदी का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में भी उसी मॉडल को लागू किया जाना चाहिए।केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जहां गांधी जी का जन्म हुआ था, वहां भी शराबबंदी है, लेकिन वहां लोगों में निराशा नहीं है। हम तो पहले से ही कह रहे हैं कि गुजरात मॉडल की शराबबंदी बिहार में लागू हो।

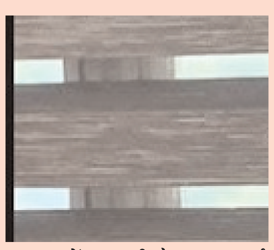

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार; हथियार और गोला-बारूद बरामद

विश्व केसरी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग संयुक्त अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। इस संबंध में अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और अन्य केंद्रीय बलों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियानों के दौरान इंफाल पश्चिम और बिष्णुपुर जिलों से इन सात उग्रवादियों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार उग्रवादी प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके राजनीतिक विंग रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ) तथा कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) से जुड़े हैं।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी कथित तौर पर अपहरण, जबरन 'चंदा' वसूलने और प्रतिबंधित संगठनों में युवाओं की भर्ती जैसी विभिन्न गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल थे। सुरक्षा कर्मियों ने गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, नकदी, मुहरें, प्रतिबंधित संगठनों के लेटरहेड और अन्य सामग्री बरामद की।

इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में तीन अलग-अलग संयुक्त अभियानों में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया।

बरामद हथियारों में 11 सिंगल-बैरल ब्रीच-लोडिंग शॉटगन, छह पिस्तौल, एक एंटी-रायट गन, 37 शक्तिशाली हैंड ग्रेनेड, एक सफेद फास्फोरस ग्रेनेड, लगभग 4.6 किलोग्राम वजन का एक आईईडी, एसएलआर, इंसास और .303 राइफलों की छह खाली मैगजीन, 86 तरह के गोला-बारूद, छह एंटी-रायट शेल, एक वाहन सेट, दो हैंड-हेल्ड सेट, अलग-अलग कैलिबर के 162 जिंदा कारतूस, 26 खाली केस और दो स्टन शेल शामिल थे।

राजस्थान में 'हर घर तिरंगा' अभियान, नेता-मंत्री समेत युवाओं में दिखा खासा उत्साह

विश्व केसरी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आह्वान पर राजस्थान समेत पूरे देश में रविवार से 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू हो गया है। जोधपुर में मंत्री जोगाराम पटेल ने अभियान की शुरुआत की। इसके बाद बच्चों, युवाओं और महिलाओं के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, 'आज से लेकर 15 अगस्त तक राजस्थान और देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। इसकी शुरुआत हमने जोधपुर से की। तिरंगा देश के प्रति आत्मसमर्पण की भावना पैदा करता है। मैं सभी से यही कहूंगा कि अपने घर पर तिरंगा फहराएं और देश प्रेम की भावना को आगे बढ़ाएं।

भाजपा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने भी जयपुर में तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा, 'मैं यहां तिरंगा यात्रा के लिए आया हूं। इस देश को आजादी आसानी से नहीं मिली। यह अनगिनत लोगों के बलिदान और संघर्ष से मिली है, लेकिन कुछ लोग हैं, जिन्हें आजादी की लड़ाई और बलिदान की समझ ही नहीं है। उनकी यादें भी धुंधली पड़ रही हैं।

ईडी ने आरकॉम के खिलाफ 40,185 करोड़ रुपए के पीएमएलए मामले में दर्ज की पूरक शिकायत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरकॉम के खिलाफ चल रहे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के मामले में एक पूरक शिकायत दर्ज की है। यह जानकारी सरकारी एजेंसी की ओर से रविवार को दी गई।

पूरक शिकायत, पहले दर्ज की गई शिकायत में एक अतिरिक्त शिकायत होती है, जिसमें मामले जुड़ी कई नई और अहम जानकारी दी जाती हैं।

जांच एजेंसी ने बताया कि 27 मार्च की पहली अभियोजन शिकायत के क्रम में शनिवार को अतिरिक्त अभियोजन शिकायत दायर की गई।

ईडी के बयान में कहा गया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल), गौतम भाईलाल दोषी, सतीश सेठ, अमिताभ झुनझुनवाला और अन्य को पीएमएलए, 2002 की धारा 4 के तहत सजा-योग्य अपराधों, धारा 3 और धारा 70 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 3 के लिए आरोपी बनाया गया है।अपराध से हासिल रकम का मूल्य 40,185.55 करोड़ रुपए लगाया गया है। यह वह कुल बकाया रकम है जिसका भुगतान उधार लेने वाली कंपनियों ने कंसोर्टियम बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बॉन्डहोल्डर्स को नहीं किया है। फंड जुटाने, इस्तेमाल करने, छिपाने और दिखाने में आरोपियों की अलग-अलग भूमिकाओं का पता चला है।

सीएम हेमंत सोरेन ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए झारखंड के युवाओं से मांगे सुझाव, पोर्टल लॉन्च

विश्व केसरी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में परीक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाने के लिए छात्रों की भागीदारी जरूरी है।

सीएम हेमंत सोरेन ने 'छात्रों की बात-छात्रों के साथ' अभियान का जिक्र करते हुए झारखंड के प्रत्येक जिले, प्रखंड, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थान और छात्र-छात्राओं से परीक्षा प्रणाली से जुड़ी समस्याओं और सुधार के सुझाव साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवाओं के सपनों के साथ उनके परिवारों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। ऐसे में परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आयोग और रोजगार जैसे क्षेत्रों को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकी। सरकार ने समस्याओं से मुंह मोड़ने के बजाय उन्हें स्वीकार किया और सुधार की दिशा में कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में दावा किया कि राज्य गठन के बाद पहली बार सरकार ने जेपीएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नई नियमावली तैयार की है।

तेलंगाना के गवर्नर ने की आदिवासियों के अधिकार, सम्मान और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की अपील

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को 'विश्व आदिवासी दिवस' की शुभकामनाएं दीं।

गवर्नर ने कहा कि आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और सदियों पुरानी समझ हमारी विरासत का अनमोल खजाना हैं। पीढ़ियों से वे जंगलों, पानी, जैव विविधता और प्रकृति के संरक्षक रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी धरती को बचाए हुए हैं।

उन्होंने सभी से उनके अधिकारों, सम्मान, पहचान और जीवन शैली का सम्मान करने और साथ ही समान अवसर और समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला ने कहा, 'आइए हम उनके अमूल्य योगदान का सम्मान करें और उनकी विरासत को बचाने तथा सभी के लिए एक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करें।'

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे प्रकृति को ईश्वर और जंगल को अपनी मां मानते हैं और पीढ़ियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'विश्व सभ्यता की जड़ और प्रकृति से अटूट रूप से जुड़ी जीवन शैली, यही आदिवासी लोगों की संस्कृति है। आदिवासी समुदायों का ज्ञान, संस्कृति, परंपराएं, सामूहिक जीवन शैली और सांस्कृतिक संरक्षण, जिन्होंने पीढ़ियों से प्रकृति के संरक्षण को अपने अस्तित्व का आधार बनाया है। पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश का काम करते हैं। आइए हम सब मिलकर उनके अधिकारों, उनके अस्तित्व और उनकी संस्कृति का सम्मान करें और उनके कल्याण, विकास और आत्म-सम्मान को सुनिश्चित करें।'

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि आदिवासी लोग, जो विविध संस्कृतियों और परंपराओं के प्रतीक हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं।

उन्होंने कहा, 'आदिवासी जो जंगलों, पेड़ों, बांबी (चींटियों के टीले) और जानवरों से प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। वे कुमरम भीम के साहस का प्रतीक हैं, जिन्होंने 'जल, जंगल, जमीन' का नारा बुलंद किया था।'

पूर्व मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जनजातियों की उन्नति के लिए, केसीआर सरकार ने विधानसभा में एसटी आरक्षण को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव पारित किया और बाद में आदेश जारी किए। सरकार ने आदिवासी बस्तियों और आवासों

जिन शहीदों की वजह से आजादी की खुली हवा में सांस ले पा रहे, उन्हें भूल रही नई पीढ़ी : मंत्री जयवीर सिंह

विश्व केसरी

लखनऊ। देशभक्ति, बलिदान और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना को घर-घर तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने लखनऊ में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की है। पूरे शहर में स्वतंत्रता सेनानियों और संवैधानिक मूल्यों को दर्शाने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही एक भव्य तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ने आईएएनएस से बात की और देश की नई पीढ़ी के नाम संदेश दिया। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, 'आज हम देशभक्ति की गहरी भावना से ओत-प्रोत हैं, लेकिन दुख इस बात का है कि आने वाली पीढ़ी धीरे-धीरे ये भूलती जा रही है कि देश के लिए कितने नौजवानों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। उन्हीं शहीदों की वजह से आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं।

उन्होंने काकोरी कांड को याद करते हुए कहा, 'आज 9 अगस्त है। इसी दिन काकोरी एक्शन हुआ था। युवा क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों का खजाना लूटकर उसे देश के नाम कर दिया था। उन्होंने देश के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमा। सवाल ये है कि क्या आज की पीढ़ी को ये पता है? इसी सोच के साथ 'हर घर तिरंगा' और तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रम किए जा रहे हैं।'

जयवीर सिंह ने कहा, 'हमारा मकसद है कि राष्ट्रीय संदेश नई पीढ़ी तक जाए। युवा अपने पूर्वजों के बारे में जानें कि उनके राष्ट्रीय योगदान क्या थे, राष्ट्र के लिए उनकी भूमिका क्या थी, कितने संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदानों के बाद हमें आजादी मिली है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल,
रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. /34146..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इश्तिहार

नामातरण प्र.क्र. 34146

वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A0076A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्री श्रीमती **CHOTI BAI SHRIVAS** पिता/पति श्री **BABLU SHRIVAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास के पति रिखीराम श्रीवास ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रूस की भारत से जमीनी कनेक्टिविटी पर नजर, हिंद महासागर तक रेलवे ट्रैक बनाने की संभावना तलाशना शुरू किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रूस ऐसा रेलवे ट्रैक बनाने की संभावना तलाश रहा है, जो भविष्य में उसे हिंद महासागर तक जमीनी पहुंच प्रदान कर सके और भारत से जोड़ सके। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने यह जानकारी दी है।

रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए एक साक्षात्कार में खुसनुलिन ने कहा कि मॉस्को को महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक परिवहन मार्गों की जांच करनी चाहिए। इनमें बॉस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट भी शामिल हैं।

खुसनुलिन के अनुसार, एक संभावित विकल्प रूस से तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान होते हुए भारत तक जाने वाला रेलवे कॉरिडोर हो सकता है। उन्होंने कहा कि रूस ऐसे किसी भी मार्ग पर विचार करेगा, जो उसे भारत तक पहुंच प्रदान कर सके। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में है। प्रस्तावित योजना के तहत फिलहाल रूस और भारत को जोड़ने वाला कोई रेलवे मार्ग, यात्री ट्रेन सेवा, टिकट की कीमत या शुरू होने की तारीख तय नहीं की गई है।

खुसनुलिन ने प्रमुख समुद्री मार्गों को लेकर चिंताओं के बीच वैकल्पिक मार्ग विकसित करने के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और एलएनजी की करीब 20 प्रतिशत खेप इसी मार्ग से गुजरती है। रूसी उप प्रधानमंत्री ने कहा कि बॉस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी चिंताएं वैकल्पिक जमीनी परिवहन कॉरिडोर तलाशने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। भारत की ओर रेलवे कनेक्शन रूस को पूरी तरह समुद्री परिवहन पर निर्भर हुए बिना हिंद महासागर की दिशा में माल पहुंचाने के लिए एक और मार्ग उपलब्ध करा सकता है। इससे मध्य और दक्षिण एशिया के साथ रूस की जमीनी कनेक्टिविटी भी मजबूत हो सकती है।

भारत के लिए ऐसा कॉरिडोर रूस और मध्य एशिया के देशों के साथ कनेक्टिविटी के नए अवसर खोल सकता है। यदि प्रस्तावित जमीनी संपर्क भविष्य में आकार लेता है, तो इससे लोगों की आवाजाही बढ़ाने और दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

रूस द्वारा भारत की ओर सीधे जमीनी संपर्क के विकल्प पर विचार किए जाने के कारण यह प्रस्ताव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, इस मार्ग में कई देश शामिल होंगे और इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ ट्रांजिट, सुरक्षा और सीमा पार आवाजाही को लेकर समन्वय की आवश्यकता होगी।

रिहायशी इमारतों को निशाना बना रहे रूसी ड्रोन और मिसाइल, खार्किव में दो लोगों की मौतः यूक्रेनी विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने आम नागरिक ढांचों पर रूस के हमलों की कड़ी निदा करते हुए कहा कि रूस शांति के बजाय युद्ध का रास्ता चुन रहा है। रात भर यूक्रेन पर किए गए रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कई लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि खार्किव क्षेत्र में रूस ने साल्टिव्का के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। एक हमले में एक ऊंची रिहायशी इमारत की सातवीं से दसवीं मंजिल के बीच का हिस्सा तबाह हो गया। बचाव और राहत कार्य अब भी जारी है। मंत्रालय के अनुसार, ओडेसा में शहर के कई इलाकों को नुकसान पहुंचा और हमलों के बाद कई जगह आग लग गई। शहर के बीचों-बीच स्थित एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भी आग लग गई। कई कारें भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गईं।

मंत्रालय ने कहा क रूस पर और ज्यादा दबाव डालने की जरूरत है। ऐसे सख्त और प्रभावी प्रतिबंध लगाने होंगे जो रूस की हथियार बनाने की क्षमता को कमजोर करें और आम नागरिकों के खिलाफ हो रहे हमलों को रोकने में मदद करें।

वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी रूसी हमलों की निंदा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''मुझे सेरही कोरेत्स्की, मिखाइलो ड्रापाती और विक्टर मिकीता से ओडेसा, खार्किव, पावलोह्राद और हमारे अन्य क्षेत्रों पर हुए रूसी हमलों के असर के बारे में रिपोर्ट मिली है।''

जेलेंसकी ने पोस्ट में आगे लिखा, ''ओडेसा और उसके आसपास के क्षेत्र में लोगों की बिजली बहाल करने का काम जारी है। ऊर्जा ढांचे पर हुए इस गंभीर हमले के बाद सभी जरूरी सेवाएं काम में लगी हुई हैं। रात में रिहायशी इमारतों और बंदरगाह को भी नुकसान पहुंचा।

अनुसूचित जातियों के कल्याण पर मंत्रालयों के खर्चों की निगरानी होगी : रामदास आठवले

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने 'अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना' (डीएपीएससी) के तहत अनुसूचित जातियों के कल्याण और विकास के लिए तय फंड का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और समीक्षा के तरीकों को मजबूत किया है।

उन्होंने हाल ही में राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, डीएपीएससी फंड के सही इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर समीक्षा करके इसके लिए जिम्मेदार 38 मंत्रालयों/विभागों द्वारा फंड के इस्तेमाल की निगरानी करता है।

उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठकें सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री और सचिव की अध्यक्षता में होती हैं। आठवले ने बताया कि हाल ही में डीएपीएससी के तहत समीक्षा बैठकें 29 अप्रैल 2025 को राज्य मंत्री बीएल वर्मा की अध्यक्षता में और 25 अगस्त 2025 तथा 16 अप्रैल 2026 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता सचिव सुधांश पंत के स्तर पर आयोजित की गईं। समय-समय पर संचार के माध्यम से डीएपीएससी के लिए जिम्मेदार मंत्रालयों/विभागों से खर्च में तेजी लाने और डीएपीएससी के तहत तय फंड का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए कहा जाता है। आठवले ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए डीएपीएससी को लागू करने वाले सभी 38 मंत्रालयों/विभागों ने अपने-अपने मंत्रालयों/विभागों में डीएपीएससी फंड की वित्तीय और भौतिक निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अनुसूचित जातियों के कल्याण और विकास के लिए डीएपीएससी के तहत तय फंड का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और समीक्षा के तरीकों को मजबूत करना जारी रखे हुए है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी गरीबों को 1 करोड़ से अधिक मकान सौंपे गए : केंद्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने रविवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस योजना के तहत 1.25 करोड़ से अधिक मकानों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 1 करोड़ से अधिक मकान पूरे कर लाभार्थियों को देशभर में सौंपे जा चुके हैं।

बयान में कहा गया कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए 2.09 लाख मकानों को मंजूरी दी गई। बयान के अनुसार, यह मंजूरी राष्ट्रीय राजधानी में स्थित संकल्प भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत केंद्रीय मंजूरी एवं निगरानी समिति की आठवीं बैठक में दी गई।

बैठक की अध्यक्षता आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तहत शहरी विकास विभाग के सचिव सतेंद्र सिंह ने की। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा भेजे गए अतिरिक्त आवास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

योजना के लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के तहत करीब 1.42 लाख मकानों को मंजूरी दी गई है। इस घटक में लाभार्थियों को अपनी जमीन पर पक्के मकान बनाने के लिए 2.5 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। वहीं, 67,045 मकान साझेदारी में किफायती आवास घटक के तहत हैं। इसके अंतर्गत सार्वजनिक और निजी एजेंसियां राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में किफायती आवास परियोजनाएं विकसित करती हैं और पात्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थियों को आवंटित मकानों के लिए केंद्र सरकार से सहायता मिलती है।

नवीनतम मंजूरियों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत मंजूर मकानों की कुल संख्या 18.38 लाख से अधिक हो गई है। इनमें 14.40 लाख लाभार्थी आधारित निर्माण वाले मकान, 2.48 लाख साझेदारी में किफायती आवास वाले मकान, 1.36 लाख ब्याज सब्सिडी योजना के लाभार्थियों के लिए आवंटित मकान और 13,046 किफायती किराये के आवास के रूप में मंजूर मकान शामिल हैं।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने योजना की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। इसमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कार्यान्वयन की गति, मंजूर मकानों का समय पर निर्माण शुरू होना और पूरा होना, जियो-टैगिंग, धन के उपयोग, लाभार्थियों के सत्यापन, मकानों की स्थिति और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 की समग्र प्रगति का आकलन किया गया।

हर आदिवासी परिवार को सुरक्षित पीने का पानी मिले, इसके लिए प्रयास जारीः सीएम चंद्रबाबू नायडू

विश्व केसरी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि 2027 तक हर आदिवासी परिवार को सुरक्षित पीने का पानी और घर मिल सके।

दूर-दराज के आदिवासी इलाकों में मरीजों को 'डोली' में ले जाने जैसे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर रहने से बचाने के लिए फीडर एम्बुलेंस, 108 और 104 मोबाइल मेडिकल यूनिट की व्यवस्था की गई है। आदिवासी इलाकों में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सेल टावर भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने 'अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस' के मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आदिवासी समुदायों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने घोषणा की कि 1.5 लाख आदिवासी युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि उन्हें रोजगार और आजीविका के अवसर मिल सकें। आदिवासी छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मौके पर साइन किए गए 19 एमओयू से लगभग 60,000 लोगों को फायदा होगा और आजीविका व विकास के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने आदिवासी समुदायों पर खास ध्यान देते हुए तीन जिले बनाए हैं, जिससे उन्हें बेहतर प्रशासनिक प्राथमिकता मिल सके।

सीएम ने कहा कि सरकार पहले 'जीओ नंबर 3' लाई थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आदिवासी इलाकों में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि बाद में इस आदेश को रद्द कर दिया गया था और कहा कि मौजूदा सरकार स्थानीय आदिवासी युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की रक्षा के लिए विकल्पों पर विचार कर रही है।

आंध्र प्रदेश : दो आरोपियों पर गैर-इरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम में पुलिस ने सुरावरापु दसवांथ और एंड्रयू जोसेफ एडवर्ड्स के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है। इन दोनों ने पिछले हफ्ते शहर के एक मॉल में अपनी कार एक दोपहिया वाहन से टकरा दी थी, जिससे एक मेडिकल छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

यह घटना 3 अगस्त की रात को हुई थी, जब शराब के नशे में धुत दो युवकों ने कार से स्कूटी में टक्कर मार दी। इस टक्कर में स्कूटी के पीछे बैठीं पीजी मेडिकल छात्रा के. प्रियंका गंभीर रूप से घायल हो गईं। डॉ. प्रियंका हैदराबाद के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर है, और डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया है।

पूर्वी गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डी. नरसिम्हा किशोर ने मीडिया को बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 110 (गैर-इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जीसीएल मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की पढ़ाई कर रहीं डॉ. प्रियंका, उसी कॉलेज के पीजी छात्र और अपने दोस्त उमेश के साथ मॉल से बाहर निकल रही थीं।

पुलिस जांच में पता चला कि मॉल के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के बाद भागने की कोशिश में आरोपियों ने अपनी कार से स्कूटी को तीन बार टक्कर मारी।

एसपी ने बताया कि मॉल के कर्मचारियों ने दसवंत और जोसेफ को मॉल में घुसने नहीं दिया, क्योंकि वे नशे में थे। आरोपियों की कर्मचारियों से बहस हुई और उन्होंने उनके साथ मारपीट की। जब मॉल के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो वे भागने लगे। उन्होंने बहुत तेजी और लापरवाही से कार चलाई और मॉल के गेट पर स्कूटी को टक्कर मार दी। मेडिकल छात्रा को कार से कुचलने के बाद आरोपी मौके से भाग गए।

घायल प्रियंका को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस को रात 10 बजे अस्पताल से इस घटना की जानकारी मिली। उमेश के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने धाराओं में बदलाव करके बीएनएस की धारा 110 लगाई है। उन्होंने कहा कि हालात के आधार पर पुलिस दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए और भी सख्त प्रावधान लागू करेगी।

बलूचिस्तान में सिर्फ सुरक्षा पर फोकस, विकास और राजनीति को भूल रहा पाकिस्तान : रिपोर्ट

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अस्थिरता और अभाव के पीछे खराब प्रशासन मुख्य कारण है। शहबाज सरकार बलूचिस्तान को केवल सुरक्षा के चश्मे से देखती है और वहां संकट के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों का समाधान नहीं करती है।

अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान संसाधनों से भरपूर है, लेकिन फिर भी इसका फायदा प्रांत के लोगों को नहीं मिलता है। बलूचिस्तान में ज्यादातर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स चीन ने चलाए हैं, जिसमें ग्वादर पोर्ट और सैंदक कॉपर और गोल्ड माइन शामिल हैं। चीनी या पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांतों के लोग बलूचिस्तान के संसाधनों से मुनाफा कमाते हैं, प्रांत के लोगों से नहीं। इसमें कहा गया है कि बलूचिस्तान के जरूरतमंद लोग अक्सर अपने हक के लिए लड़ने और बलूचिस्तान में विदेशियों के प्रति अपना गुस्सा दिखाने के लिए मिलिटेंसी का रास्ता अपनाते हैं।

बलूचिस्तान में ज्यादातर लोग रिसोर्स, मानवाधिकार और शिक्षा की बहुत कमी में जी रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान इस बात से इनकार करता है कि प्रांत के लोग नाखुश हैं। बलूचिस्तान के प्रति उसका नजरिया सुरक्षा पर केंद्रित रहा है, जबकि विकास और गवर्नेंस एजेंडा पीछे छूट गया। अभी, बलूचिस्तान पाकिस्तान में सबसे ज्यादा गरीबी का सामना कर रहा है। यहां 47 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं। अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट के अनुसार, एक्सट्रैक्शन और मेगा प्रोजेक्ट्स का हब होने के बावजूद प्रांत में बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार के मौके, गैस कनेक्शन और पीने का साफ पानी नहीं है।

पाकिस्तानी पत्रकार कदीम बलूच ने रिपोर्ट में लिखा, 'एक्सपर्ट्स का मानना है कि खराब गवर्नेंस अस्थिरता और कमी के पीछे की मुख्य वजह है। सरकार ने बलूचिस्तान को एक सुरक्षा के मुद्दे के तौर पर देखा और संकट के असली सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों को नजरअंदाज किया है।' रिपोर्ट में आगे कहा गया कि चल रहा 'ऑपरेशन शाबान' आतंकवादियों को मारने के लिए सुर्खियों में आ सकता है, लेकिन यह कोई भी टिकाऊ शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में नाकाम रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिलिट्री बलूचिस्तान में अशांति के कई कारणों, जैसे कि संघवाद, पहचान और संसाधनों का सही बंटवारा की जड़ को सुलझाए बिना टिकाऊ शांति नहीं ला सकती। स्थानीय मीडिया ने बताया कि शनिवार को बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने प्रांत के नसीराबाद में दो बिजली टावरों को नष्ट करने की जिम्मेदारी ली।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में ढाका 15वें स्थान पर, युगांडा की ये जगह लिस्ट में सबसे ऊपर

विश्व केसरी

ढाका। ढाका रविवार सुबह 9:18 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) स्कोर 95 दर्ज करने के साथ दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 15वें स्थान पर रहा।

इससे पहले 1 अगस्त को ढाका की एयर क्वालिटी ठीक-ठाक रही। एयर क्वालिटी इंडेक्स 86 रहा। एक्यूआई स्केल के मुताबिक, सुबह 9:35 बजे राजधानी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में 18वें नंबर पर थी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो का किंशासा, युगांडा का कंपाला, इंडोनेशिया का जकार्ता लिस्ट में पहले तीन नंबर पर रहे, जिनका एक्यूआई स्कोर क्रमशः 188, 173 और 149 रहा। एक्यूआई पैमाने के अनुसार, शहर की हवा की गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में थी। इससे बेहद कम संख्या में असामान्य रूप से संवेदनशील लोगों, जैसे अस्थमा, हृदय रोग वाले या बुजुर्गों, के लिए स्वास्थ्य को लेकर मामूली चिंता है। इसके अलावा, युगांडा की राजधानी कंपाला 185 एक्यूआई स्कोर के साथ दुनिया में सबसे खराब हवा वाले शहरों की सूची में सबसे ऊपर रही। इसके बाद मलेशिया का कुचिंग और इंडोनेशिया का जकार्ता रहा, जिनका स्कोर 161 रहा।

बहरीन की राजधानी मनामा 156 एक्यूआई स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। एक्यूआई मानकों के अनुसार, 101 से 150 के बीच का रीडिंग 'संवेदनशील समूहों के लिए अस्वास्थ्यकर', 151 से 200 'अस्वास्थ्यकर', 201 से 300 'बहुत अस्वास्थ्यकर' माना जाता है।

संपादकीय

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है

तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है।

बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ बच्चों तक नहीं पहुँचतीं : आखिर दोष किसका है?

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों के हाथों में होता है और बच्चों का भविष्य उनकी शिक्षा, संस्कार तथा कल्पनाशक्ति पर निर्भर करता है। यही कारण है कि बाल साहित्य को किसी भी सभ्य समाज की सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है। बाल साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि वह बच्चे के व्यक्तित्व, भाषा, संवेदना, नैतिकता, कल्पना और चिंतन को आकार देने का कार्य करता है। कहानियाँ, कविताएँ, बालगीत, पहेलियाँ, चित्रकथाएँ और बाल पत्रिकाएँ बच्चों के भीतर जिज्ञासा और सृजनशीलता का विकास करती हैं।

विडंबना यह है कि आज उत्कृष्ट बाल साहित्य लिखा भी जा रहा है और अनेक प्रतिष्ठित बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ नियमित रूप से प्रकाशित भी हो रही हैं, फिर भी वे बच्चों तक नहीं पहुँच पा रही हैं। यह एक गंभीर सांस्कृतिक संकट है। जब बाल साहित्य बच्चों तक नहीं पहुँचेगा, तो वह अपने उद्देश्य को कैसे पूरा करेगा? यह प्रश्न केवल प्रकाशकों का नहीं, बल्कि पूरे समाज, शिक्षा व्यवस्था और अभिभावकों का भी है।

आज का बच्चा मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो गेम और सोशल मीडिया की दुनिया में अधिक समय बिता रहा है। उसके हाथ में कहानी की पुस्तक या बाल पत्रिका कम और मोबाइल फोन अधिक दिखाई देता है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, लेकिन जब वह पुस्तक संस्कृति का स्थान लेने लगे तो चिंता स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से बच्चों के लिए साहित्यिक पत्रिकाएँ उस आकर्षण और पहुँच का निर्माण नहीं कर सकीं, जिसकी आवश्यकता थी।

एक समय था जब नंदन, चंपक, बाल भारती, बालहंस, देवपुत्र, चकमक जैसी पत्रिकाओं का बच्चे बेसब्री से इंतजार करते थे। डाकिया जब पत्रिका लेकर आता था तो बच्चे उत्साह से उसे पढ़ते, चित्र देखते, पहेलियाँ हल करते और अपनी रचनाएँ भेजने का सपना देखते थे। इन पत्रिकाओं ने न जाने कितने लेखकों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और संवेदनशील नागरिकों को तैयार किया। आज वही परंपरा धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है।

इस समस्या का सबसे बड़ा कारण वितरण व्यवस्था की कमजोरी है। अधिकांश बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ सीमित प्रतियों में प्रकाशित होती हैं। वे बड़े शहरों तक तो किसी तरह पहुँच जाती हैं, लेकिन छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों तक नहीं पहुँच पातीं। पुस्तक विक्रेताओं के लिए भी बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ लाभ का बड़ा माध्यम नहीं होतीं, इसलिए वे उन्हें मंगाने में विशेष रुचि नहीं दिखाते।

विद्यालयों की भूमिका भी इस संदर्भ में निराशाजनक रही है। अधिकांश सरकारी और निजी विद्यालयों में पुस्तकालय तो हैं,

लेकिन उनमें नई बाल साहित्यिक पत्रिकाओं का नियमित आगमन नहीं होता। पुस्तकालय यदि हैं भी तो बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने का अवसर बहुत कम मिलता है। परीक्षा-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था ने पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त पढ़ने की संस्कृति को लगभग समाप्त कर दिया है।

अभिभावकों की सोच भी बदल गई है। वे बच्चों के लिए महंगे खिलौने, मोबाइल और कोचिंग पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन वर्ष भर की किसी बाल पत्रिका की सदस्यता लेने में रुचि नहीं दिखाते। उन्हें लगता है कि परीक्षा में अंक लाने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें पर्याप्त हैं। वे यह भूल जाते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए केवल अंक नहीं, बल्कि भाषा, कल्पना, संवेदनशीलता और व्यक्तित्व भी आवश्यक हैं।

बाल साहित्य के प्रचार-प्रसार में मीडिया की उदासीनता भी एक कारण है। समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर फिल्मों, खेलों और मनोरंजन की भरमार है, लेकिन बाल साहित्य पर चर्चा बहुत कम दिखाई देती है। जब किसी क्षेत्र को पर्याप्त सार्वजनिक स्थान नहीं मिलेगा, तो उसकी लोकप्रियता भी सीमित रह जाएगी।

आज के डिजिटल युग में बाल साहित्यिक पत्रिकाओं को भी समय के साथ बदलने की आवश्यकता है। केवल मुद्रित संस्करण पर्याप्त नहीं हैं। यदि पत्रिकाएँ मोबाइल ऐप, ई-पत्रिका, ऑडियो कहानियाँ, एनिमेटेड कविताएँ और इंटरैक्टिव सामग्री के रूप में बच्चों तक पहुँचें, तो उनकी उपयोगिता और लोकप्रियता दोनों बढ़ सकती हैं। तकनीक को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी बनाया जाना चाहिए।

भाषा का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। बच्चों की भाषा सरल, रोचक और संवादात्मक होनी चाहिए। कई बार बाल पत्रिकाओं की सामग्री अत्यधिक उपदेशात्मक या कठिन हो जाती है, जिससे बच्चे उसमें रुचि नहीं लेते। आधुनिक बच्चे की जिज्ञासाओं, विज्ञान, पर्यावरण, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, खेल, लोककथाओं और समकालीन विषयों को भी रचनात्मक ढंग से शामिल करना आवश्यक है।

सरकारी स्तर पर भी गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है। शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में चुनिंदा बाल साहित्यिक पत्रिकाओं की अनिवार्य सदस्यता सुनिश्चित कर सकता है। राष्ट्रीय और राज्य पुस्तकालय योजनाओं में बाल साहित्य को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यदि मिड-डे मील बच्चों के शारीरिक पोषण के लिए आवश्यक है, तो बाल साहित्य उनके बौद्धिक और सांस्कृतिक पोषण के लिए उतना ही आवश्यक है।

लेखकों और संपादकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझते हुए ऐसी सामग्री तैयार करनी होगी जो मनोरंजक भी हो और ज्ञानवर्धक भी। बाल साहित्य बच्चों को उपदेश देने का माध्यम नहीं, बल्कि उनके साथ मित्रवत संवाद का माध्यम होना चाहिए।

समाज में पढ़ने की संस्कृति विकसित करना भी समय की मांग है। परिवार में यदि माता-पिता स्वयं पुस्तकें पढ़ेंगे, तो बच्चे भी पढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। विद्यालयों में 'एक पीरियड पुस्तकालय के नाम', 'मासिक पत्रिका दिवस', 'कहानी पाठ', 'बाल लेखक से संवाद' और 'पुस्तक मित्र अभियान' जैसे कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं।

यह भी आवश्यक है कि बाल साहित्य को केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित न रखा जाए। बच्चों को पत्रिकाओं में अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और पत्र प्रकाशित कराने के अवसर मिलने चाहिए। जब बच्चा स्वयं किसी पत्रिका का हिस्सा बनता है, तो उसका उससे भावनात्मक संबंध भी मजबूत होता है।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण है। वहाँ अनेक बच्चों के पास डिजिटल संसाधन सीमित हैं।

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या भारत के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्की और सऊदी अरब?

नीरज कुमार दुबे

नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति-केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है।

देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक-दूसरे की जरूरत बन गए हैं।

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है।

ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है।

वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू-राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।

बोध कथा

जीवन को नई राह दिखाते हैं स्वामी विवेकानंद के विचार

स्वामी विवेकानंद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बाल्यावस्था से स्वामी विवेकानंद को अध्यात्म के प्रति गहन रुचि थी। उनका जन्म पश्चिम बंगाल में कारस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता संस्कृत और फारसी भाषा के विद्वान थे। महज 25 वर्ष की आयु में स्वामी जी के पिता सन्यासी बन गए। माता जी देवों के देव महादेव की भक्त थीं। हर समय शिव भक्ति में लीन रहती थीं। अत: विवेकानंद जी को बचपन से ईश्वर में अगाध श्रद्धा थी। स्वामी जी स्वरं प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति करते थे। रामकृष्ण परमहंस जी के संपर्क में आने के पश्चात स्वामी जी मां काली के उपासक बन गए। मां काली की कृपा-दृष्टि से स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली गुरु बने। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को स्वामी जी के विचार जीने की नई राह देते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, स्वामी जी के अनमोल विचार जानते हैं-

स्वामी जी के अनमोल विचार... 1 संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और रह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।

2. उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सबकुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है।

3. सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं।

4. पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है। फिर विरोध होता है। अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है।

5. जिस प्रकार के वल एक ही बीज पूरे जंगल को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त है।

चुटकुले

टीचर: घर की परभाषा बताओ।

टीटू: जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे 'हाऊस' कहते हैं

जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें 'होम' कहते हैं

जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें 'हवेली' कहते हैं

जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें 'मकान' कहते हैं

जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें 'फ्लैट' कहते हैं

और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें 'बंगला' कहते हैं

टीचर: क्या बात है आज तुम पहली बार क्लास में बात कर रही हो

हमेशा तुम नजरें झुका कर मेरी बातें बड़े ध्यान से सुनती थी !

आज तुम्हें क्या हो गया है ?

पिंकी: सर जी ,आज मेरा नेट पैक ख़त्म हो गया है !!

टीचर: जो बेवकूफ है वो खड़ा हो जाए

टीटू: खड़ा हो गया

टीचर: तुम बेवकूफ हो

टीटू: नहीं मैडम आप अकेली खड़ी थीं मुझे अच्छा नहीं लगा

टीचर: 4 और 4 कितने होते हैं

टीटू: 10 होते हैं।

टीचर: 8 होते हैं...नालायक

टीटू: हम दिलदार घर से हैं... 2 मैंने अपने खुद के भी डाले हैं।

व्यंग्य केसरी

बाधाएँ: बंधन-मुक्ति का व्यंग्य

अशोक मतवाला

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हर बाधा हमें किसी न किसी बंधन से मुक्त करती है। लेकिन यह मुक्ति उतनी ही खतरनाक होती है जितनी किसी बच्चे को मिठाई की दुकान में अकेला छोड़ देना। पहले कमर का बंधन टूटता है— डॉक्टर कहते हैं, 'कमर सीधी रखो' लेकिन जीवन कहता है, 'झुकते रहो, उठते रहो, और अंत में टूटते रहो।' फिर आता है बजट का बंधन। तनख्वाह आती है, और जाते ही पूछती है: 'कहाँ गई?' जवाब मिलता है— श्वस्ध्ध, किराया, सब्ज़ी, और बच्चों की ट्यूशन।

बजट का बंधन टूटते ही आदमी समझता है कि अब वह मुक्त है, लेकिन मुक्त होकर भी खाली जेब ही उसकी सबसे बड़ी कैद बन जाती है।और अंत में टूटता है धैर्य का बंधन। आदमी सोचता है कि सब संभाल लेगा, लेकिन जब बिजली का बिल, पानी का बिल और पड़ोसी की सलाह एक साथ आती है, तो धैर्य भी कहता है— 'अब मैं जा रहा हूँ, तुम देख लो।' यही वह क्षण होता है जब आदमी सचमुच बंधन-मुक्त हो जाता है। पर समस्या यह है कि मुक्त होने के बाद पता चलता है कि अब बंधने को कुछ बचा ही नहीं।

बाधाएँ हमें सिखाती हैं कि जीवन कोई योगासन नहीं है जहाँ हर बंधन तोड़कर शांति मिलती है। यहाँ हर बंधन टूटने पर नई समस्या जन्म लेती है। कमर का बंधन टूटा तो डॉक्टर का बिल बंध गया।

बजट का बंधन टूटा तो उधार का बंधन बंध गया। धैर्य का बंधन टूटा तो गुस्से का बंधन बंध गया। यानी आदमी हमेशा किसी न किसी बंधन में बंधा ही रहता है।

समाज भी कम मज़ेदार नहीं। वहाँ भी बाधाएँ आती हैं। कभी राजनीति की बाधा, कभी शिक्षा की बाधा, कभी ट्रैफिक की बाधा। हर बाधा हमें मुक्त करती है— लेकिन मुक्त होकर हम पाते हैं कि अब हम किसी और बंधन में फँस गए हैं। जैसे ट्रैफिक से मुक्त हुए तो हॉर्न के शोर में बंध गए। शिक्षा से मुक्त हुए तो बेरोज़गारी में बंध गए। राजनीति से मुक्त हुए तो वादों के बंधन में बंध गए।

बाधाएँ दरअसल जीवन का वह व्यंग्य हैं जो हमें बार-बार याद दिलाती हैं कि हम चाहे जितना भी मुक्त हों, अंत में हम किसी न किसी बंधन में बंधे ही रहते हैं।

और जब सब बंधन टूट जाते हैं, तब आदमी को अहसास होता है कि अब बंधने को कुछ बचा ही नहीं। यही जीवन का सबसे बड़ा व्यंग्य है— बंधन-मुक्ति का शून्य.

(**ashok77901@yahoo.com, अमेरिका**)

इतिहास

10 अगस्त के दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं। भारत के चौथे राष्ट्रपति वी.वी. गिरि का जन्म और शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पंडित विष्णु नारायण भातखंडे का जन्म इसी दिन हुआ था। इसके अलावा फ्रांस के प्रसिद्ध लूव्र संग्रहालय का उद्घाटन भी आज ही के दिन हुआ था।देश और दुनिया की मुख्य घटनाएं1793: पेरिस में स्थित प्रसिद्ध लूव्र संग्रहालय (Louvre Museum) आम जनता के लिए खोला गया।1809: इक्वाडोर को स्पेन से स्वतंत्रता मिली।1821: मिसौरी अमेरिका का 24वां राज्य बना।1962: बच्चों की लोकप्रिय कॉमिक बुक 'अमेजिंग फैंटेसी' में पहली बार स्पाइडरमैन नजर आया।1990: अमरीकी अंतरिक्ष यान 'मैगेलन' (Magellan) शुक्र ग्रह की कक्षा में पहुंचा।

श्मशान घाट पर तांत्रिक क्रिया, जज की फोटो रखकर साधना करते आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

बिलासपुर। सीपत क्षेत्र स्थित देवरी श्मशान घाट, जहां देर रात संदिग्ध पूजा सामग्री के साथ आरोपी को पकड़ा गया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले स्थित सीपत थाना क्षेत्र के देवरी गांव में शुक्रवार रात श्मशान घाट पर तांत्रिक क्रिया करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। श्मशान घाट में चार युवक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और दो अन्य लोगों की तस्वीरें रखकर संदिग्ध पूजा-पाठ कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि तीन अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची सीपत थाना पुलिस ने पकड़े गए युवक को हिरासत में ले लिया है और मामले की कानूनी जांच शुरू कर दी है।

घटनास्थल पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने जब तांत्रिक क्रिया देख शोर मचाया, तो श्मशान घाट में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो वहां पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई। घटनास्थल से सिंदूर, नींबू, नारियल, सूखी सामग्री और एक मरी हुई मछली के साथ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की फोटो मिली। पुलिस ने बिलासपुर के राजकिशोर नगर निवासी ऋषिकेश कुमार नाम के युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे बाकी साथियों के ठिकानों और इस कृत्य के पीछे की पूरी कड़ी के बारे में पूछताछ कर रही है।

देवरी का यह मुक्तिधाम पहले भी संदिग्ध गतिविधियों को लेकर चर्चा में रह चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट में इससे पहले भी अवांछित लोगों द्वारा तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ के प्रयास किए जा चुके हैं, जिसको लेकर स्थानीय लोगों में भारी असंतोष था। इसी सतर्कता के कारण शुक्रवार की रात जब श्मशान घाट में रोशनी और हलचल देखी गई, तो ग्रामीणों ने दूर से ही निगरानी शुरू कर दी थी। मामला संदिग्ध लगते ही पूरा गांव एकजुट हो गया और मौके पर जाकर आरोपियों को घेर लिया।

पुलिस ने क्या कहा ?

पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपी का रिश्तेदार प्रियांशु चाकूबाजी के एक मामले में जेल में बंद है। जमानत की याचिका हाईकोर्ट में लंबित है। आरोपी युवक इंटरनेट मीडिया के जरिए एक तांत्रिक के संपर्क में आया था, जिसने श्मशान घाट में जज की तस्वीर रखकर पूजा करने से जमानत मिलने का दावा किया था। सीपत थाना पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी से लगातार पूछताछ जारी है। फरार तीन अन्य युवकों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

श्मशान घाट पर घटी इस अजीबोगरीब घटना के बाद से देवरी और आसपास के इलाकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अंधविश्वास के चलते कोर्ट-कचहरी के मामलों को प्रभावित करने की इस कोशिश से कानूनी और सामाजिक हलकों में चिंता जताई जा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन से मांग की है कि श्मशान घाट जैसे सार्वजनिक और पवित्र स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई जाए और देर रात गश्त की व्यवस्था पुख्ता की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की अवांछित गतिविधियों पर स्थायी रोक लग सके।

विश्व आदिवासी दिवस पर विश्रामपुरी में गूंजा 'एक तीर, एक कमान' का जयकारा

विधायक नीलकंठ टेकाम हुए रैली में शामिल

विश्व केसरी

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी ग्राम पंचायत में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम एवं रैली में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए।

विधायक टेकाम ने रैली में समाजजनों के साथ पैदल चलकर 'एक तीर, एक कमान' का जयकारा लगाते हुए आदिवासी समाज की एकता, गौरव और संस्कृति का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक टेकाम ने वीर नारायण गेंदसिंह सहित विभिन्न चौक-चौराहों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पूजा-अर्चना कर नमन किया और समस्त आदिवासी समाज को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सेवकराम नेताम, केशकाल नगर पंचायतअध्यक्ष बिहारी लाल शोरी, समाज प्रमुख श्रवण मरकाम, अंजोरी नेताम सहित समाज के प्रमुखजन एवं विशाल संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। आदिवासी संस्कृति, गौरव और एकता के इस उत्सव में विश्रामपुरी पूरी तरह आदिवासी स्वाभिमान के रंग में रंगा नजर आया।

काले कागज से नोट बनाने का झांसा, अंतरराज्यीय ठग दबोचे गए

विश्व केसरी

जांजगीर-चांपा। नवागढ़ थाना क्षेत्र में 'केमिकल एक्सपर्ट' बनकर लोगों को ठगने वाले गिरोह को पुलिस ने दबोच लिया है। सायबर थाना जांजगीर और नवागढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक व्यक्ति को काले कागज को असली नोट में बदलने का झांसा देकर 50 हजार रुपये ठगने की कोशिश की थी।

नवागढ़ निवासी साहिल कुमार के पिता को 10 दिन पहले तेरस राम महिपाल का फोन आया। उसने खुद को 'केमिकल एक्सपर्ट' बताया और कहा कि उसके पास ऐसा काला कागज है जिसे विशेष केमिकल से असली भारतीय मुद्रा में बदला जा सकता है। आरोपी ने ?50 हजार लेकर ?2.50 लाख कीमत का 'काला कागज' और केमिकल देने का लालच दिया। 6 अगस्त 2026 को प्रार्थी गोविंदा पुल के पास पहुंचा। वहां तेरस महिपाल के साथ शिव प्रसाद मनहर और रामरतन साहू भी मौजूद थे। तीनों ?50 हजार नगद मांग रहे थे। शक होने पर प्रार्थी ने पूछताछ की तो तीनों भाग गए।

पहले भी पकड़ा जा चुका है गिरोह का मास्टरमाइंड

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मास्टरमाइंड शिवप्रसाद मनहर भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक शिवप्रसाद पहले भी नकली नोट के मामलों में शामिल रह चुका है। उस पर जैजैपुर में 24 लाख और रायपुर गंज थाना में 85 लाख के नकली नोट ठगी के आरोप हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से केमिकल पाउडर, 6 नग काले कागज और 3 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस अब इस गिरोह के नेटवर्क और ठगी के तरीके की जांच कर रही है। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सोशल मीडिया के जरिए फंसाते थे शिकार

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सोमवार से नया रोस्टर लागू

विश्व केसरी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सोमवार से नया रोस्टर लागू होगा। चीफ जस्टिस की ओर से जारी नए रोस्टर में डिविजन बेंच और सिंगल बेंच के लिए मामलों का अलग-अलग निर्धारण किया गया है। हाईकोर्ट में इस बार भी 4 डिविजन बेंच में मामलों की सुनवाई होगी। अलग-अलग बेंच को मामलों की प्रकृति और वर्ष के आधार पर जिम्मेदारी दी गई है।

चार डिविजन बेंच में मामलों का बंटवारा

रोस्टर के अनुसार डिविजन बेंच-1 में चीफ जस्टिस और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच जनहित याचिका, रिट अपील, हेबियस कॉर्पस, आपराधिक अपील समेत अन्य मामलों की सुनवाई करेगी। डिविजन बेंच-2 में जस्टिस संजय के. अग्रवाल और जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की बेंच आपराधिक मामलों और वर्ष 2022 तक के अल्ट्रा वायर्स मामलों की सुनवाई करेगी। डिविजन बेंच-3 को वर्ष 2016 से आगे की एक्विटल अपील की सुनवाई की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, डिविजन बेंच-4 में सिविल, कंपनी, टैक्स और वैवाहिक मामलों से जुड़े अपीलों की सुनवाई होगी। सिंगल बेंच में भी मामलों का वर्षवार और विषयवार बंटवारा किया गया है।

विशेष मामलों की सुनवाई करेगी चीफ जस्टिस की स्पेशल बेंच

चीफ जस्टिस की स्पेशल बेंच में जमानत आवेदन, आपराधिक पुनरीक्षण, ट्रांसफर याचिका और अन्य विशेष मामलों की सुनवाई होगी। इसके अलावा अलग-अलग सिंगल बेंच को सर्विस रिट, सिविल रिवीजन, मोटर व्हीकल एक्ट से जुड़े मामले, आपराधिक अपील, दूसरी अपील और अन्य मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। रोस्टर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कुछ सिंगल बेंच में दोपहर 2:15 बजे से या संबंधित डिविजन बेंच की सूची पूरी होने के बाद निर्धारित मामलों की सुनवाई होगी।

भानुप्रतापपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर सर्व आदिवासी समाज ने भवन निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर। विश्व मूलनिवासी आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर सर्व आदिवासी समाज द्वारा अंतागढ़ मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के सामने खाली पड़ी भूमि पर सर्व आदिवासी समाज भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आदिवासी संस्कृति, परंपरा और रीतियों के अनुसार पूरी निष्ठा के साथ संपन्न हुआ। समाज के बुजुर्गों और बैगा-पुजारी द्वारा पारंपरिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ भूमि पूजन की प्रक्रिया पूरी की गई।

भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया विश्व मूलनिवासी दिवस

कार्यक्रम के दौरान सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक-दूसरे को 'विश्व मूलनिवासी दिवस' की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, अपनी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और अधिकारों की रक्षा पर विशेष जोर दिया। 'सर्व आदिवासी समाज भवन के बनने से समाज के लोगों को कार्यक्रमों के आयोजन, बैठकें करने और दूर-दराज से आने वाले सामाजिक बंधुओं के ठहरने के लिए एक व्यवस्थित स्थान मिल सकेगा।

बड़ी संख्या में शामिल हुए सामाजिक बंधु

इस भूमि पूजन एवं विश्व मूलनिवासी दिवस समारोह में भानुप्रतापपुर एवं आसपास के क्षेत्रों से सर्व आदिवासी समाज के वरिष्ठ नागरिक, युवा, महिलाएं और विभिन्न घटक समाजों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शासन का आदेश बेअसर, कबीरधाम में कई वर्षों एक स्थान पर अधिकारियों की तैनाती

विश्व केसरी

कवर्धा। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने 3 अगस्त 2026 को जारी परिपत्र में शासकीय कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्य-पटल में प्रत्येक तीन वर्ष में अनिवार्य रूप से परिवर्तन करने के निर्देश दिए हैं। शासन ने इस व्यवस्था के पीछे प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही, कार्यकुशलता और सुशासन को प्रमुख उद्देश्य बताया है। लेकिन कबीरधाम जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग में वर्षों से एक ही जिले और परियोजनाओं में पदस्थ अधिकारियों की स्थिति शासन के आदेश की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है।

शासन के 3 अगस्त के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अधिकारियों-कर्मचारियों को अलग-अलग कार्यों का अनुभव दिलाने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए तीन वर्ष में कार्य-पटल बदलना जरूरी है। विशेष परिस्थिति में किसी अधिकारी-कर्मचारी को उसी कार्य-पटल पर बनाए रखने के लिए सक्षम अधिकारी की लिखित एवं कारणयुक्त अनुमति भी आवश्यक होगी। ऐसे में कबीरधाम महिला एवं बाल विकास विभाग में लंबे समय से जमे अधिकारियों की पदस्थापना अब विभागीय व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत को सामने ला रही है।

दूसरी पारी के भी सात साल, कुर्सी नहीं बदली

जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी महिला एवं बाल विकास विभाग में अपनी दूसरी पारी के भी लगभग सात वर्ष पूर्ण कर चुके हैं। एक ही जिले में इतने लंबे समय तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालने के बावजूद कार्य-पटल परिवर्तन की स्थिति अब शासन के नए आदेश के बाद समीक्षा का विषय बन गई है।

कवर्धा परियोजना में सात साल से अधिक का ठहराव

एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी विवेका हैरिस भी कवर्धा परियोजना में लगभग सात वर्ष से अधिक समय से पदस्थ बताई जा रही हैं। जब शासन तीन वर्ष में कार्य-पटल परिवर्तन को प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा बना रहा है, तब एक ही परियोजना में सात वर्ष से अधिक समय तक पदस्थापना पर विभागीय स्तर पर समीक्षा आवश्यक दिखाई देती है।

एक दशक से विभाग में सक्रिय, स्थानांतरण भी नहीं बदल पाया व्यवस्था

कुंडा परियोजना अधिकारी बृजेश सोनी वर्तमान में पंडरिया और कुकदूर परियोजनाओं की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। उनकी विभागीय पदस्थापना लगभग एक दशक तक पहुंचने की बात सामने आ रही है। खास बात यह है कि उनका हाल में अन्यत्र स्थानांतरण हुआ था, लेकिन बाद में आदेश में संशोधन हो गया। अब शासन के नए तीन वर्षीय कार्य-पटल नियम के तहत इस पदस्थापना की समीक्षा जरूरी हो गई है।

गृह क्षेत्र में ही लंबे समय से पदस्थापना

दशरंगपुर परियोजना अधिकारी कृतिका सिंह भी कबीरधाम जिले की सहसपुर लोहारा और कुंडा परियोजना में पदस्थ होकर कार्य कर चुकी हैं। वर्तमान पदस्थापन परियोजना को उनका गृह क्षेत्र बताया जा रहा है। लंबे समय तक एक ही जिले और संबंधित परियोजनाओं में पदस्थ रहने की स्थिति शासन के नए निर्देशों के बाद समीक्षा योग्य नजर आती है।

पर्यवेक्षकों की भी अलग कहानी

महिला एवं बाल विकास विभाग में केवल परियोजना अधिकारियों की ही लंबी पदस्थापना चर्चा का विषय नहीं है। विभाग के कई पर्यवेक्षकों के संबंध में भी लंबे समय से एक ही जिले में जमे रहने की बातें सामने आती रही हैं। स्थिति यह बताई जा रही है कि कुछ कर्मचारी इसी जिले में नियुक्त हुए और यहीं से सेवानिवृत्त भी हो गए।

वहीं कई कर्मचारी वर्षों से एक ही जगह अंगद के पैर की तरह जमे हुए हैं। शासन के नए परिपत्र के अनुसार ऐसी पदस्थापनाओं की समीक्षा जरूरी दिखाई देती है। यदि

पेट्रोल पंप में बिक रहा था ब्रांडेड कंपनी का नकली ऑयल

विश्व केसरी

कोरबा। अगर आप किसी पेट्रोल पंप से अपनी गाड़ी के लिए लुब्रिकेंट ऑयल खरीद रहे हैं तो हो जाइए सावधान, यह ऑयल नकली भी हो सकता है। कतिपय पंप संचालक ब्रांडेड कंपनियों का नकली ऑयल बेच रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में पुलिस ने एक पेट्रोल पंप से भरी मात्रा में नकली ऑयल जब्त किया है।

कोरबा जिले के दीपका थाना क्षेत्र के ग्राम तिवरता स्थित श्रद्धा पेट्रोल पंप में नकली ऑटोमोबाइल उत्पादों की बिक्री का खुलासा हुआ है। कंपनी की शिकायत पर पुलिस ने पेट्रोल पंप के स्टोर रूम में दबिश देकर टाटा DEF और गल्फ ऑयल के कुल 212 नग सीलबंद डिब्बे बरामद किए हैं। मामले में पेट्रोल पंप संचालक और सप्लायर के खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

टेस्ट परचेसिंग के बाद मारा छापा

टाटा EIPR (India) Pvt. Ltd. के जांच अधिकारी सानी घोष ने दीपका थाना में शिकायत दी थी कि श्रद्धा पेट्रोल पंप पर टाटा मोटर्स और गल्फ ऑयल के नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं। सूचना के बाद सानी घोष ने टेस्ट परचेसिंग के तहत 20 लीटर का एक टाटा छ्वश्वस्न खरीदा। जांच में वह नकली निकला। इसके बाद पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में उस डिब्बे को जब्त किया।

स्टोर रूम से मिला 8.5 लाख का माल

पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप के पीछे स्थित स्टोर रूम में तलाशी ली। वहां संचालक चैतन्य मनहर पिता कुशल मनहर मौजूद मिला। तलाशी में टाटा मोटर्स छ्वश्वस्न के 192 नग और गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट के 20 नग, सभी 20-20 लीटर के सीलबंद डिब्बे मिले। पुलिस ने सभी 212 डिब्बे जब्त कर लिए। जब्त माल की अनुमानित कीमत करीब 8.5 लाख रुपयेबताई जा रही है।

खरीदी के कागजात नहीं दे पाया संचालक -_पुलिस ने मौके पर धारा 94 बीएनएसएस के तहत संचालक से खरीद-बिक्री के दस्तावेज मांगे। चैतन्य ने लिखित में बताया कि उसके पास कोई दस्तावेज नहीं है। उसने यह माल कोरबा निवासी अनूप गोयल द्वारा दिए जाने की बात कही है।

इन धाराओं के तहत केस दर्ज

पुलिस ने चैतन्य मनहर और अनूप गोयल के खिलाफ धारा 318(4), 347, 349 BNS और कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कंपनी के जांच अधिकारी सानी घोष ने बताया कि वे कंपनी की ओर से बाजार में नकली उत्पादों की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकृत हैं। बरामद उत्पाद नकली हैं या नहीं, इसकी अंतिम पुष्टि कंपनी और विशेषज्ञों की जांच के बाद होगी।

नकली को असली सोने का हार बताकर बेचने वाले दो किशोर गिरफ्तार

विश्व केसरी

जगदलपुर। सोने के नगर इलाके में सोने के नाम पर गरीबों का ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें लालची बस्ती को जाल में फंसाया गया है। पुलिस के मुताबिक 6 अगस्त को दो मांगणपुर निवासी लिंगेश्वर सेठिया के घर। दोनों ने एक हार दिखाते हुए अपनी कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई। इसके बाद एथलेटिक्स को रैपटम के लिए 10 हजार रुपये की जरूरत पर स्टॉक की डील कर दी गई।

ग्रामीणों ने 10 हजार रुपए दे दिए और अपने पास रखा। लेकिन असली सोना समझकर हार गया जब सोनार के पास पहुंचा तो पूरा मामला खुल गया। जांच में हार नकली निकला और सम्मिलित पेस्ट मिश्रित होने की बात सामने आई। शिकायत में पुलिस ने चारों की तलाश शुरू की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दुर्ग निवासी मोहन लाल दास और बलौदा बाजार निवासी मोहन राय के रूप में हुई है। पुलिस ने व्यावसायिक व्यवसाय से 4950 रुपये नकद बरामद किये हैं। इसके अलावा तीन नकली सोने की मालाएं, कुल वजन 342.190 ग्राम बताया गया है, भी जब्त की गई। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पूछताछ में दोनों ने एकजुटता की बात स्वीकार की, जिसके बाद उन्हें राक्षसी अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। एक बार फिर दावा किया गया है कि बिना जांच के सोने के लालच में सोना कितना महंगा हो सकता है।

भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 1.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी

मुंबई। भारत की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 1.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। इसमें सबसे अधिक फायदा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ है। इसकी वजह सबसे बड़े सरकारी बैंक की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के अच्छे नतीजे पेश करना था। हालांकि, शीर्ष 10 में बाकी छह कंपनियों का मार्केटकैप 1.23 लाख करोड़ रुपए कम हुआ।

बीते हफ्ते सबसे ज्यादा मार्केटकैप वाली टॉप-10 कंपनियों में एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 63,922.03 करोड़ रुपए बढ़कर 10,11,721.84 करोड़ रुपए हो गया है। इस जबरदस्त बढ़ोतरी की वजह से एसबीआई भारत की सबसे अधिक वैल्यू वाली कंपनियों की रैंकिंग में और ऊपर पहुंच गई है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यूएशन में 32,816.4 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका मार्केटकैप 18,01,925.19 करोड़ रुपए हो गया।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की वैल्यूएशन 31,875.35 करोड़ रुपए बढ़कर 8,87,770.13 करोड़ रुपए हो गई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार पूंजीकरण भी 14,637.76 करोड़ रुपर बढ़कर 5,56,482.45 करोड़ रुपए हो गया। दूसरी ओर, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। इसकी मार्केट वैल्यूएशन 40,543.23 करोड़ रुपए घटकर 4,96,891.82 करोड़ रुपए रह गई।

बजाज फाइनेंस की मार्केट कैपिटलाइजेशन 37,168.96 करोड़ रुपए घटकर 6,73,648.55 करोड़ रुपए हो गई, जबकि एचडीएफसी बैंक की वैल्यूएशन में 24,183.16 करोड़ रुपए की कमी आई और यह 11,27,967.47 करोड़ रुपए पर आ गई।

आईसीआईसीआई बैंक की मार्केट कैपिटलाइजेशन 9,507.67 करोड़ रुपए घटकर 10,20,370.63 करोड़ रुपए रह गई, जबकि भारती एयरटेल की वैल्यूएशन में 7,581.65 करोड़ रुपए की कमी आई और यह 12,22,423.98 करोड़ रुपए हो गई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर भी पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल रही। इसकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,793.16 करोड़ रुपए घटकर 4,88,808.97 करोड़ रुपए रह गई।

दूसरी तरफ भारतीय शेयर बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी में 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त हुई।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 300 गीगावाट से अधिक हुई : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 31 जुलाई, 2026 तक बढ़कर 300 गीगावाट से अधिक हो गई है। यह देश में स्थापित कुल ऊर्जा क्षमता 552 गीगावाट का करीब 54 प्रतिशत है। यह जानकारी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

केंद्र सरकार ने कहा कि क्लीन एनर्जी के उत्पादन में बढ़ोतरी कई सेक्टर के योगदान से हुई है। सोलर एनर्जी, रिन्यूएनबल एनर्जी में विकास का मुख्य इंजन बनी हुई है। 2014 में इसकी क्षमता सिर्फ 2.8 गीगावाट थी जो अब बढ़कर लगभग 165 गीगावाट हो गई है। साथ ही, विंड एनर्जी सेक्टर में भी तेजी आई है और इसकी क्षमता 2014 के 21 गीगावाट से बढ़कर 58 गीगावाट से ज्यादा हो गई है। साल 2025-26 के दौरान, देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा उत्पादन की रिकॉर्ड 55.29 गीगावाट क्षमता स्थापित की गई, जिसमें 44.6 गीगावाट सोलर पावर और 6 गीगावाट विंड पावर का मुख्य योगदान रहा।

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता हासिल करने के लक्ष्य का 60 प्रतिशत पहले ही पूरा कर लिया है। रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में हुई बढ़ोतरी देश में रिन्यूएबल एनर्जी के उत्पादन में भी दिखती है, जो 2014-15 में 190.96 बिलियन यूनिट (बीयू) से बढ़कर 2025-26 में 477.79 बीयू हो गया है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लक्ष्य का 60 प्रतिशत पहले ही पूरा कर लिया है, क्योंकि देश एक आत्मनिर्भर ऊर्जा इकोसिस्टम बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस तेजी से हो रहे विस्तार को सहारा देने और सप्लाई चेन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए, भारत ने अपनी घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं में बदलाव किया है। देश में ज्यादा क्षमता वाले और घरेलू स्तर पर बने मॉड्यूल के साथ सोलर इंस्टॉलेशन पर ध्यान केंद्रित करने वाली 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' (पीएलआई) स्कीम की वजह से, सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए 'अप्रूव्ड लिस्ट ऑफ मॉडल्स एंड मैन्युफैक्चरर्स' (एएलएमएम) के तहत रजिस्टर्ड क्षमता 2014 में सिर्फ 2.3 गीगावाट से बढ़कर ऐतिहासिक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है।

मेटा को भारतीय कानूनों का करना होगा पालन, केवल उनकी वैश्विक नीतियां पर्याप्त नहीं : सरकारी सूत्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मेटा के प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों और नियमों का पालन करते हुए काम करना होगा और कंपनी के साथ हाल की बातचीत का मकसद यह पक्का करना था कि उसकी नीतियां और कंटेंट मॉडरेशन के तरीके देश के कानूनी ढांचे के मुताबिक हों, न कि सिर्फ कंपनी के ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुसार। यह बयान सरकारी सूत्रों ने रविवार को दिया।

सरकारी सूत्रों ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह कहना तथ्यों के हिसाब से गलत होगा कि केंद्र ने मेटा को अपने रिकमेंडेशन एल्गोरिदम में पूरी तरह से बदलाव करने का निर्देश दिया है।

इसके बजाय, चल रही बातचीत का मकसद यह पक्का करना रहा है कि कंपनी की कंटेंट पॉलिसी, नियमों को लागू करने के तरीके और प्लेटफॉर्म गवर्नेंस भारतीय कानूनी जरूरतों के मुताबिक हों। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की एक मुख्य चिंता यह है कि देश के बाहर काम करने वाली टीमों को भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता की कम समझ है।

अधिकारियों का कहना है कि कंटेंट मॉडरेशन से जुड़े फैसलों को ज्यादा असरदार और सटीक बनाने के लिए मेटा को बेहतर स्थानीय जानकारी की जरूरत है, जिसमें भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक बारीकियों की बेहतर समझ शामिल है। सरकार ने बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) पर भी कड़ा रुख अपनाया है और फिर से कहा है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसे कंटेंट के लिए कोई जगह नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि सीएसएएम का होना लागू नियमों का गंभीर उल्लंघन है और उम्मीद है कि मेटा ऐसे मटीरियल का पता लगाने और उसे हटाने के लिए ज्यादा मजबूत और सक्रिय सुरक्षा उपाय लागू करेगा। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की जरूरत होगी। बातचीत में डीपफेक कंटेंट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सरकारी सूत्रों ने कहा कि अधिकृत या वेरिफाइड अकाउंट से पब्लिश किए गए कंटेंट को ऑटोमेटेड सिस्टम के जरिए गलती से डीपफेक नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे मामलों की संवेदनशीलता को देखते हुए, अधिकारियों ने 'ह्यूमन-इन-द-लूप' रिव्यू प्रोसेस की वकालत की, ताकि यह पक्का किया जा सके कि कंटेंट को हटाने का फैसला लेने से पहले उसकी ठीक से जांच हो। सरकार ने सिंथेटिक रूप से बनाए गए कंटेंट के बारे में भी चिंता जताई, जो डीपफेक के तौर पर पहचाने और हटाए जाने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर दोबारा दिखाई देता है।

सूत्रों ने बताया कि मेटा से उन उपायों के बारे में बताने को कहा गया है जो वह ऐसे कंटेंट को हटाए जाने के बाद दोबारा आने और दोबारा शेयर होने से रोकने के लिए अपना रहा है।

भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2031 तक 63 लाख यूनिट्स तक पहुंचने की उम्मीद : आरसी भार्गव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़कर 61 से 63 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है। इस दौरान छोटी गाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी बीते पांच वर्षों में हुई वृद्धि के मुकाबले तेजी से बढ़ेगी। यह बयान मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव ने रविवार को दिया।

भार्गव ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने न सिर्फ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को, बल्कि अर्थव्यवस्था के कई सेक्टर को भी नई रफ्तार दी है और 'हम अगले पांच सालों में कार मार्केट की संभावित ग्रोथ का जितना हो सके, उतना सटीक अनुमान लगाने की प्रक्रिया में हैं।'

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी 'एनुअल इंटीग्रेटेड रिपोर्ट 2025-26' जारी की है। इसमें बताया गया है कि कैसे छोटी कारों के सेगमेंट में वापसी, कंपनी के एसयूवी

पोर्टफोलियो का मजबूत होना, मल्टी-पावरट्रेन स्ट्रैटेजी, क्षमता बढ़ाने पर फोकस और जबरदस्त निर्यात प्रदर्शन ने ग्रोथ के लिए नई रफ्तार पैदा की है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 24.22 लाख गाड़ियों की अब तक की सबसे ज्यादा सालाना बिक्री और 4.47 लाख गाड़ियों के निर्यात का रिकॉर्ड बनाया। भार्गव के बयान के अनुसार, लगातार तीसरे साल 20 लाख गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा छूने के बाद, उम्मीद से पहले ही गाड़ियों की बिक्री का अगला दस लाख का माइलस्टोन हासिल करने को लेकर आशावादी है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा, 'हमने अपनी क्षमता बढ़ाने की योजनाओं में तेजी लाई। वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, हमने 5,00,000 यूनिट की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता जोड़ी।'

ताकेउची ने बताया, 'ग्राहकों की उम्मीदें तेजी से बदल रही हैं। कंपनी अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने के लिए अगले 5 से 6 सालों में 7 एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है।' जैसे-जैसे भारत 2047 तक एक विकसित देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के पास इस सफर में सार्थक योगदान देने की जिम्मेदारी और मौका दोनों हैं।

उन्होंने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपोर्ट, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, रोजगार पैदा करने, स्किल डेवलपमेंट और सस्टेनेबल मोबिलिटी के जरिए मारुति सुजुकी भारत की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। गाड़ियों की बिक्री का अगला दस लाख का आंकड़ा महज संख्या का माइलस्टोन नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज्यादा है।

अमेरिका के नए टैरिफ बिल से भारत के इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को लेकर चिंता : औद्योगिक संगठन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को लेकर शनिवार को एक औद्योगिक संगठन ने चिंता जाहिर की। संगठन ने कहा कि अमेरिकी सीनेट ने प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को रूसी ऊर्जा के शीर्ष आयातकों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। इससे भारत से इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है।

हालांकि, बिल को अभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी है, लेकिन ईईपीसी इंडिया के एक बयान में चेतावनी दी गई है कि अगर यह कदम कानून बन जाता है तो इसके नतीजे हो सकते हैं। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा, 'यह हमारे लिए वाकई चिंता की बात है, क्योंकि अमेरिका भारतीय इंजीनियरिंग सामानों का टॉप मार्केट है। बिल को अभी लेजिस्लेटिव प्रोसेस पूरा करना बाकी है, लेकिन यह हमारे लिए सच में चिंता की बात है, क्योंकि कोई भी अतिरिक्त लेवी भारतीय सामान की प्रतिस्पर्धात्मकता को कम कर देगी।'

चड्ढा ने कहा, 'लिंड्से ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम का यह बिल, अगर अमेरिकी कांग्रेस से मंजूर हो जाता है और कानून बन जाता है, तो इंडियन गुड्स एक्सपोर्ट पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी इसके किसी भी संभावित असर पर बात करना जल्दबाजी होगी।'

वित्तीय वर्ष 2025-26 में अमेरिका को भारत से इंजीनियरिंग सामान का निर्यात सकारात्मक रहा है, भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में नए टैरिफ लगा दिए हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर शिपमेंट पर कोई भी अतिरिक्त लेवी लगती है तो भारतीय सामान की प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर हो सकती है। अमेरिका को भारतीय इंजीनियरिंग सामान का एक्सपोर्ट 19.60 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें साल-दर-साल 2.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अमेरिकी सीनेट ने एक रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल पास किया, जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है।

सीनेट से 86-11 वोट से पास हुआ लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 अब हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में जाएगा, जहां सीनियर डेमोक्रेट्स ने इसके टैरिफ प्रोविजन पर आपत्ति जताई है। इस कानून के तहत सरकार को ट्रेड डेटा का इस्तेमाल करके देशों की पहचान करनी होगी, न कि कानून में उनका नाम लिखना होगा। इसमें रूसी क्रूड ऑयल के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर, रूसी प्राकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर और रूसी तेल प्रतिबंध से बचने में मदद करने वाले पांच बड़े देश शामिल हैं।

एयर इंडिया टर्बुलेंस मामले में बोले पायलट यूनियन के प्रमुख डोप टेस्ट पॉजिटिव आने पर रद्द हो सकता है पायलट का लाइसेंस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पायलट यूनियन के प्रमुख ने रविवार को कहा कि रास्ते में टर्बुलेंस का सामना करने वाली एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट का डोप परीक्षण पॉजिटिव पाए जाने पर उसका उड़ान लाइसेंस रद्द किया जा सकता है और अन्य दंड भी भुगतने पड़ सकते हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के प्रेसिडेंट कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि एयरलाइन ने अभी तक डोपिंग टेस्ट के नतीजे आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो जाती, वे उन रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, जिनमें पायलट के टेस्ट में पॉजिटिव आने का दावा किया गया है।

उन्होंने कहा, 'अभी एयरलाइन की तरफ से डोपिंग टेस्ट के नतीजे आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किए गए हैं, इसलिए हम आधिकारिक पुष्टि का इंतजार करेंगे। मैं इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा कि टेस्ट पॉजिटिव है।'

रंधावा ने कहा कि अगर टेस्ट पॉजिटिव आता है, तो पायलट का लाइसेंस रद्द होने के साथ-साथ जुर्माना और अन्य कार्रवाई भी हो सकती है, जो पायलट के भविष्य पर असर डाल सकती है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर टेस्ट पॉजिटिव आता है, तो इसके कारण पायलट का लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। पायलट पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है और भविष्य में उसे कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन फिर भी, मैं यही कहूंगा कि हमें डोपिंग टेस्ट की रिपोर्ट का इंतजार करना होगा और उसके बाद ही हम इस पर कोई टिप्पणी कर सकते हैं।' उनके ये बयान उन खबरों के बीच आए हैं जिनमें कहा गया है कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के कैप्टन का साइकोएक्टिव पदार्थों का टेस्ट कथित तौर पर पॉजिटिव आया था। इस फ्लाइट के दौरान जबरदस्त टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा था, जिससे कई यात्री और क्रू मेंबर घायल हो गए थे। एयर इंडिया ने कहा है कि वह सिविल एविएशन नियमों के तहत क्रू मेंबर का रेगुलर ड्रग टेस्ट करती है। हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि पायलटों के फ्लाइट के बाद किए गए स्क्रीनिंग टेस्ट के नतीजे उसे नहीं बताए गए थे।

महाराष्ट्र में 11 अगस्त से दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ेंगे

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र में गाय और भैंस के दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के फैसले के बाद नई दरें 11 अगस्त, 2026 से लागू होंगी। एसोसिएशन के अनुसार, डीजल की कीमतें 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ गई हैं, जबकि पैकेजिंग का खर्च लगभग 30 प्रतिशत बढ़ गया है। दूध की खरीद कीमत भी बढ़ गई है। इसमें और बढ़ोतरी की उम्मीद है।

बढ़ती लागत को देखते हुए एसोसिएशन ने दूध की बिक्री कीमत 2 रुपये प्रति लीटर और डेयरी उत्पादों की कीमतें 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला किया है। एसोसिएशन ने बताया कि नई कीमतें 11 अगस्त से लागू होंगी ।कीमतों में बढ़ोतरी से राज्य भर के ग्राहकों पर असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि दूध उत्पादक और प्रोसेसर गाय और भैंस दोनों तरह के दूध के दाम बदल रहे हैं। यह

फैसला दूध की कीमतों और डेयरी किसानों के हितों की रक्षा के उपायों पर चल रही बातचीत के बीच लिया गया है। पिछले महीने सरकार ने संसद को बताया था कि दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार ने यह भी कहा कि कीमतें बाजार की स्थितियों के आधार पर सहकारी समितियों और निजी डेयरियों द्वारा ही तय की जाती रहेंगी। लोकसभा में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (उर्फ ललन सिंह) ने कहा कि अभी दूध की कीमतें सहकारी समितियां और प्राइवेट डेयरियां तय करती हैं, और इस उत्पाद के लिए एमएसपी तय करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्री ने कहा कि सरकार डेयरी किसानों के हितों की रक्षा, दूध की कीमतों में स्थिरता, उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और पूरे देश में क्वालिटी मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए कई कदम उठा रही है।

सरकार ने कहा है कि ज्यादा दूध उत्पादकों को संगठित क्षेत्र में लाने के लिए मार्च 2026 तक गांव के स्तर पर 36,283 नई डेयरी कोऑपरेटिव सोसायटियां बनाई गई हैं और 31,150 सोसायटियों को मजबूत किया गया है। साथ ही, रोजाना 168 लाख लीटर दूध ठंडा करने की क्षमता तैयार की गई है और 76,748 क्वालिटी टेस्टिंग डिवाइस बांटे गए हैं। रोजाना कुल 418 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन क्षमता वाले प्रोजेक्ट्स को भी मंजूरी दी गई है।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं : तेजस्वी प्रकाश

मुंबई। टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं।

दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।''

तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, 'एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।'

तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।

रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं खुद भी 'लॉक अप' का हिस्सा रह चुकी हूं। भले ही मेरा जुड़ाव शो से छोटे स्तर पर रहा हो, लेकिन उस शो का हिस्सा बनना और उसके मंच पर मौजूद रहना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव था।''

तेजस्वी ने आखिर में कहा, ''एकता कपूर की पहचान सिर्फ टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह फिल्ममेकर भी हैं और फिल्मों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। उनके पास आने वाले समय के लिए कुछ नए और शानदार प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि एकता कपूर की चमक कम हो रही है।''

दिवंगत बहन राधिका की याद में हर सुबह खास रस्म निभाते हैं विकास खन्ना, 'शेखर टुनाइट' में किया खुलासा

विश्व केसरी

मुंबई। सेलिब्रिटी शेफ विकास खन्ना हाल ही में स्ट्रीमिंग चैट शो 'शेखर टुनाइट' के एक एपिसोड में नजर आए। इस दौरान उन्होंने अपनी दिवंगत बहन राधिका को याद करते हुए अपने न्यूयॉर्क स्थित रेस्टोरेंट से जुड़ी एक भावुक बात साझा की। विकास ने बताया कि वह हर सुबह अपनी बहन की याद में एक खास रस्म निभाते हैं। इसके जरिए वह आज भी अपनी बहन से अपने जुड़ाव को महसूस करते हैं।

विकास ने कहा, ''राधिका के बीमार पड़ने और फिर उनके निधन के बाद मैंने एक और रेस्टोरेंट खोलने का फैसला लगभग छोड़ ही दिया था। मुझे लगता था कि मैं 50 साल से ज्यादा उम्र का हो चुका हूं और अब दोबारा रेस्टोरेंट शुरू करने की जरूरत नहीं है। रेस्टोरेंट चलाना आसान काम नहीं है। लेकिन मेरी मां ने मुझे मेरी बहन की इच्छा याद दिलाई और इसके बाद मैंने इस दिशा में दोबारा कदम बढ़ाने का फैसला किया।''

शो में अपनी बहन को याद करते हुए विकास ने बताया, ''कोरोना महामारी से पहले राधिका मुझसे अक्सर मुझे अपना हुनर पहचानने के लिए कहती थी। उसके मुताबिक, दुनिया के करीब 30 प्रतिशत लोग मुझे अपने परिवार के सदस्य जैसा मानते हैं। वह चाहती थीं कि मैं इस बार सिर्फ एक रेस्टोरेंट न बनाऊं, बल्कि ऐसी जगह तैयार करूं, जो लोगों को घर जैसा महसूस हो।''

विकास ने कहा, ''राधिका मुझसे कहा करती थीं कि पैसे से रेस्टोरेंट खोला जा सकता है, लेकिन सिर्फ पैसे से घर नहीं बनाया जा सकता। घर लोगों के साथ मिलकर बनता है। मेरी बहन की यही बात मन में बैठ गई। राधिका की बीमारी और फिर उनके निधन के बाद जब रेस्टोरेंट बनना शुरू हुआ तो, मुझे बार-बार अपनी बहन की वही बातें याद आने लगीं।

विकास ने बताया, 'शुरुआत में मैं रेस्टोरेंट खोलने के बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं 50 साल से ज्यादा उम्र का हूं और मुझे लगता था कि अब इसकी जरूरत नहीं है। लेकिन जैसे-जैसे काम आगे बढ़ता गया, मुझे महसूस हुआ कि यह सिर्फ एक बिजनेस शुरू करने का मामला नहीं है, बल्कि अपनी बहन से किए वादे को पूरा करने की बात भी है।'

उन्होंने कहा, ''मेरी मां ने भी याद दिलाया कि यह आखिरी वादा है, जिसे मुझे पूरा करना है। मुझे बार-बार ऐसा महसूस होता था कि राधिका मुझे देख रही हैं और मुझे अपना वादा पूरा करना है। इतनी बड़ी सोच के साथ रेस्टोरेंट शुरू करना आसान नहीं था।

यौन उत्पीड़न मामले में मशहूर निर्देशक शकील नूरानी गिरफ्तार, 12 अगस्त तक पुलिस को मिली कस्टडी

मुंबई। मशहूर निर्देशक शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सतारा फॉर्म हाउस से गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 12 अगस्त तक शकील नूरानी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

73 वर्षीय शकील नूरानी को 33 वर्षीय अभिनेत्री की ओर से दर्ज कराए गए, दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। मालवानी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक घटना साल 2016 की है, लेकिन केस अब दर्ज किया गया है।

मुंबई पुलिस के अनुसार अभिनेत्री की पहली मुलाकात नूरानी से 2016 में लोखंडवाला में एक पुरस्कार समारोह में हुई थी। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि 'बड़े दिल वाला' और 'जोरू का गुलाम' के निर्देशक नूरानी ने उनसे एक आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात की और उन्हें काम के लिए उनसे संपर्क करने को कहा।

एफआईआर में महिला ने आरोप लगाया कि बाद में वह एक स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए उनके मालवानी स्थित आवास पर गई। शिकायत के अनुसार, नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। जब उन्हें होश आया, तो नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो दिखाया और धमकी दी कि अगर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया या अपने परिवार को सूचित किया तो वह इसे प्रसारित कर देंगे।

अभिनेत्री का आरोप है कि नूरानी ने कथित वीडियो का इस्तेमाल करके उसे धमकाया और कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया।

रेड कार्पेट पर निकिता रावल के साथ फैन की हैरान करने वाली हरकत, बिना इजाजत किया किस

विश्व केसरी

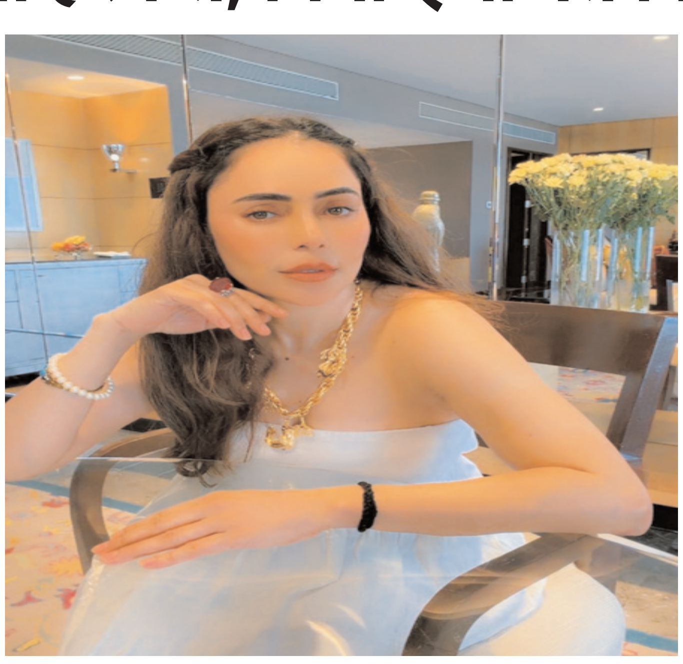

मुंबई। अभिनेत्री निकिता रावल हाल ही में एक रेड कार्पेट कार्यक्रम के दौरान उस समय पूरी तरह चौंक गईं, जब एक महिला प्रशंसक उनके पास आई और अचानक उनके होंठों पर किस कर लिया। इस अप्रत्याशित घटना से निकिता हैरान रह गईं और असहज भी नजर आईं।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में निकिता रावल एक कार्यक्रम के रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। वह कैमरों की तरफ देखकर तस्वीरें खिंचवा रही थीं कि तभी एक महिला फैन उनके पास पहुंचती है। फैन निकिता से सेल्फी लेने की इच्छा जाहिर करती है। शुरुआत में दोनों के बीच बातचीत सामान्य दिखाई देती है और निकिता भी उस फैन के साथ सहज नजर आती हैं।

वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि महिला फैन अचानक निकिता के गाल पर किस कर देती है। निकिता इस हरकत से चौंक जाती हैं, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने स्थिति को और असहज बना दिया। गाल पर किस करने के बाद महिला फैन ने निकिता को अपनी तरफ खींच लिया और उनके होंठों पर भी किस कर दिया। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि निकिता को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

अचानक हुई इस हरकत से निकिता हैरान रह गईं। वीडियो में वह महिला को रोकने की कोशिश करती हुई भी नजर आती हैं। वह इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती हैं, लेकिन महिला फैन ने उन्हें पकड़े रखा। इस वजह से निकिता काफी असहज दिखाई देती हैं।

महिला फैन यहीं नहीं रुकी। वहां से जाने से पहले उसने निकिता के गाल पर एक बार फिर किस किया और फिर वहां से चली गई। यह पूरा घटनाक्रम कैमरों में रिकॉर्ड हो गया। वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है।

वीडियो पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने महिला फैन के व्यवहार की आलोचना की। लोगों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति के साथ उसकी मर्जी के बिना इस तरह की हरकत करना सही नहीं है। एक यूजर ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कार्रवाई की बात कही। वहीं कुछ लोगों ने इस घटना को परेशान करने वाला बताया और कहा कि सामने वाले की सहमति का सम्मान किया जाना चाहिए।

सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीरें, लिखा खास नोट

मुंबई। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मां बनने जा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्भावस्था के खूबसूरत पलों को फैंस संग शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्हें मैटरनिटी से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। एक तस्वीर में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सोफे पर लेटी हुई इना मे की 'गाइड टू चाइल्डबर्थ' किताब पढ़ती हुई दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'अगस्त एनर्जी' और साथ में सफेद दिल वाले इमोजी भी लगाए।

काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें चल रही थीं। इन पर अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी।

सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी। अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत और गौतमी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी स्वर्ण (सामंथा) और उसके पति अनिरुद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिवार की बिना मर्जी के शादी करने के बाद पहली बार अपने पति के परिवार से मिलने गांव जाती है। शुरुआत में परिवार में उनका कड़ा स्वागत होता है और स्वर्ण सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, हालांकि स्वर्ण जैसी दिखती है, उसका अतीत उससे बिल्कुल अलग और एक खतरनाक, हिंसक दुनिया से जुड़ा होता है जो अचानक सामने आ जाता है।

जब सुनील शेट्टी ने खोला था एक्शन हीरो बनने का राज, बोले- '75 प्रतिशत मेहनत और 25 प्रतिशत किस्मत का है खेल'

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने 90 के दशक में एक्शन, रोमांस, कॉमेडी और गंभीर भूमिकाओं से अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, एक्शन हीरो के तौर पर बनी उनकी छवि आज भी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है। अपने एक पुराने इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया था कि किसी कलाकार के लिए सफलता हासिल करना सिर्फ किस्मत की बात नहीं होती। इसके पीछे लगातार मेहनत, सीखने की इच्छा और अपनी गलतियों को सुधारने का जज्बा भी जरूरी है। उन्होंने कहा था कि इसमें 75 प्रतिशत मेहनत और 25 प्रतिशत किस्मत का योगदान है।

इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने कहा, ''75 प्रतिशत मेहनत, 25 प्रतिशत किस्मत जरूर है, लेकिन मैंने बहुत मेहनत की है। हमेशा सीखने की कोशिश की। आलोचनाओं को खुले दिल से स्वीकार किया है और यह समझने की कोशिश की है कि सामने वाला क्या कहना चाहता है। अपनी कमियों को दूर करने और अपनी खूबियों पर काम करने की कोशिश की।''

सुनील ने आगे कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर मैं समझता हूं कि हर कलाकार में कुछ कमजोरियां और कुछ मजबूत पक्ष होते हैं। इसलिए मेरा ध्यान अपनी कमियों को धीरे-धीरे सुधारने और अपनी मजबूत बातों को दर्शकों के सामने बेहतर तरीके से पेश करने पर रहा।''

एक्शन हीरो बनने के सफर के बारे में सुनील शेट्टी ने दिलचस्प बात बताई। उन्होंने बताया कि एक्शन हीरो की छवि बनाना आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें ऐसे स्टंट करने पड़े, जिनमें चोट लगने का खतरा रहता था। कई बार उन्हें इतना दर्द सहना पड़ा कि शरीर की हड्डियों तक इसका असर पड़ा।

सुनील शेट्टी ने कहा, ''एक्शन इमेज बनाने के लिए मैंने ऐसे एक्शन और स्टंट करें, जिनसे मेरी जान जा सकती थी, जिनसे मुझे चोट लगी और मेरे शरीर की हर हड्डी टूट गई। ये सब आसान नहीं था। उस दौर की एक्शन फिल्मों में कलाकारों के लिए स्टंट बहुत मुश्किल होते थे। मेरा मकसद सिर्फ स्टंट करना नहीं था, बल्कि पर्दे पर एक ऐसे एक्शन हीरो की छवि बनाना था।

जिसे देखकर दर्शकों को यकीन हो कि वह किसी भी मुश्किल का सामना कर सकता है। मैं चाहता था कि दर्शक मेरे एक्शन को सच मानें।''

सुनील शेट्टी ने साल 1992 में 'बलवान' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद 'मोहरा', 'बॉर्डर', 'धड़कन', 'हेरा फेरी', 'मैं हूं ना', 'फिर हेरा फेरी' और 'आवारा पागल दीवाना' जैसी कई फिल्मों में उन्होंने काम किया।

दोनों प्रधानमंत्री आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे भारत-बांग्लादेश के कई मसले : दिनेश त्रिवेदी

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को पूरा विश्वास है कि पीएम तारिक रहमान और भारत के प्रधानमंत्री मिलकर दोनों देशों के विभिन्न मसलों का हल सुगमता से निकाल लेंगे। त्रिवेदी ने इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा दोनों ही पीएम जनता के प्रिय हैं। उम्मीद जताई कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ढाका में पत्रकारों से बातचीत में भारत के उच्चायुक्त ने ये बातें कही। उन्होंने कहा, मैंने पीएम तारिख रहमान को कई बार भाषण देते सुना है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही वो भी जनता के पीएम है। जब दो नेता मिलते हैं तो बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाता है। इसको लेकर नकारात्मकता नहीं, सकारात्मकता का होना जरूरी है। दैनिक द ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, त्रिवेदी ने ये बातें रविवार को इंडियन वीजा एप्लिकेशन सेंटर

(आईवीएसी) के चिल्ड्रेन प्लेइंग एरिया के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत और बांग्लादेश दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत-बांग्लादेश के बीच लंबित मुद्दों, खासकर तीस्ता जल बंटवारा और गंगा जल संधि के नवीनीकरण चर्चा में हैं।

भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। उन्हें यह निमंत्रण 'बिम्सटेक' (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में दिया गया है।

'बिम्सटेक' बंगाल की खाड़ी के आसपास और उससे जुड़े क्षेत्रों के सात सदस्य देशों का एक समूह है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, यह दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। इसके पांच सदस्य दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका से हैं। वहीं, दो सदस्य दक्षिण-पूर्व एशिया के म्यांमार और थाईलैंड से हैं।

नई दिल्ली में आयोजित विदेश मंत्रालय की नियमित प्रेस ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद ही तारिक रहमान को भारत आने का औपचारिक निमंत्रण भेज दिया गया था।

हीटवेव से निपटने के लिए दक्षिण कोरिया सतर्क, कमजोर वर्गों के लिए बढ़ाए सुरक्षा इंतजाम

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया में हीटवेव के बीच रविवार को बाहर काम करने वाले कमजोर लोगों और जानवरों के लिए बेहतर सुरक्षा की मांग की गई, हालांकि वर्तमान समय में देशभर में सबसे गंभीर अलर्ट हटा दिए गए हैं, लेकिन सरकार लोगों की मदद के लिए पहल कर रही है।

संबंधित मंत्रालयों और क्षेत्रीय अधिकारियों की एक मीटिंग में, सेंट्रल डिजास्टर एंड सेफ्टी काउंटरमेजर्स हेडक्वार्टर ने बहुत ज्यादा गर्मी से निपटने के लिए इमरजेंसी प्रोटोकॉल की समीक्षा की। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हेडक्वार्टर ने सभी इंटरएजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट्स से ज्यादा जोखिम वाली आबादी जैसे कि प्रवासी मजदूरों और बुजुर्ग किसानों की सुरक्षा पर ध्यान देने को कहा। इससे पहले हेडक्वार्टर के चीफ किम क्वांग-योंग ने सोल से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में येसान काउंटी का दौरा किया, ताकि विदेशी मौसमी किसानों के काम करने के हालात का मुआयना किया जा सके और जानवरों पर गर्मी के असर की जांच की जा सके।

यह दौरा दक्षिण जिओला प्रांत के हेनाम और साउथ चुंगचियोंग प्रांत के होंगसियोंग में विदेशी मजदूरों की गर्मी से जुड़ी मौतों के बाद किया गया। विदेशी श्रमिकों को भाषा की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जिससे वे सुरक्षा के मामले में मुश्किल में पड़ जाते हैं। ऐसे में किम क्वांग-योंग ने फार्म मालिकों से अपने श्रमिकों के लिए काफी पानी, छाया और आराम देने को कहा। अधिकारियों ने 18 भाषाओं में ट्रांसलेट किए गए हीट स्ट्रोक से बचाव के मैनुअल और अलग-अलग कूलिंग सप्लाई बांटी। किम ने स्थानीय स्वाइन फार्म्स का भी दौरा किया ताकि उनके वेंटिलेशन और कूलिंग सिस्टम को चेक कर सकें। हेडक्वार्टर के मुताबिक सरकारी मंत्रालय ने अपने इमरजेंसी रेस्पॉन्स प्रोटोकॉल को और बढ़ा दिया है। इसके अलावा कृषि मंत्रालय ने अपने डिजास्टर सिचुएशन रूम को इमरजेंसी रेस्पॉन्स हेडक्वार्टर में अपग्रेड किया और खेतों में ड्रोन और गाड़ियों की पेट्रोलिंग बढ़ा दी।

संक्षिप्त खबर

ग्रीस में इजरायली पर्यटकों के लिए सुरक्षा चेतावनी, बड़े विरोध प्रदर्शनों के बीच सावधानी बरतने की सलाह

विश्व केसरी

तेल अवीव। ग्रीस में रविवार को गाजा संघर्ष के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। प्रस्तावित फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बीच इजरायल के विदेश मंत्रालय ने देश में मौजूद अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मंत्रालय ने विशेष यात्रा चेतावनी जारी करते हुए इजरायली नागरिकों से प्रदर्शन स्थलों और बड़ी भीड़ से दूर रहने तथा प्रदर्शनकारियों से किसी भी तरह के टकराव से बचने को कहा है। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीन समर्थक संगठनों ने गाजा युद्ध के विरोध में ग्रीस के 36 स्थानों पर 'डे ऑफ रेज' प्रदर्शन की योजना बनाई है। इनमें ऐसे पर्यटन स्थल भी शामिल हैं जहां इजरायली पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। विदेश मंत्रालय ने इजरायली नागरिकों को सलाह दी है कि वे इजरायली या यहूदी पहचान जाहिर करने वाले प्रतीकों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने में सावधानी बरतें। साथ ही सोशल मीडिया पर अपनी लोकेशन को वास्तविक समय में साझा करने से भी बचने को कहा गया है। मंत्रालय ने कहा कि प्रदर्शनों के संभावित बड़े आकार और भीड़ के कारण अशांति या अप्रिय घटनाओं की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता जरूरी है। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है जब ग्रीस छुट्टियां बिताने के लिए इजरायली नागरिकों के बीच बेहद लोकप्रिय है ।

अफगानिस्तान में खदान हादसा: एक मजदूर की मौत, दूसरा जख्मी

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत के बर्ग-ए-मतल जिले में एक खदान में काम करने के दौरान हुए धमाके में मजदूर की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। स्थानीय मीडिया ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह खबर दी। अफगानिस्तान की न्यूज एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि यह धमाका शनिवार को बरग-ए-मतल जिले के पेचीग्राम इलाके में हुआ, जब दो आदमी खदान में खनिज निकालने के लिए उतरे थे। धमाके की वजह अभी साफ नहीं है, और यह भी नहीं बताया गया कि किस तरह का खनिज निकाला जा रहा था। यह धमाका अफगानिस्तान के माइनिंग सेक्टर की लापरवाही को दर्शाता है। जहां हाल के वर्षों में खदान ढहने और दूसरे हादसों में मजदूर मारे गए या घायल हुए हैं। देश के उत्तरी और पहाड़ी क्षेत्रों में खराब सुरक्षा मानकों और आधुनिक उपकरणों की कमी के कारण अक्सर ऐसे दर्दनाक हादसे होते रहते हैं। मार्च में ही अफगानिस्तान के समांगन स्थित खदान में जहरीली गैस (जैसे मीथेन और कार्बन मोनोऑक्साइड) का रिसाव हुआ था जिसमें दो खदान मजदूरों की मौत हो गई थी। उससे होने वाले हादसे एक बेहद गंभीर और निरंतर बनी रहने वाली समस्या हैं। खामा प्रेस ने समांगन के स्थानीय तालिबान प्रशासन के हवाले से बताया था कि दारा-ए-सूफ बाला जिले में एक कोयला खदान के अंदर जहरीली गैस की वजह से दो मजदूरों की मौत हो गई थी।

चीन ने डॉल्फिन तूफान की दस्तक से पहले 1400 उड़ानें कीं रद्द, लोगों को सुरक्षित जगह भेजने का आदेश जारी

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के घनी आबादी वाले पूर्वी तट पर रविवार को टाइफून डॉल्फिन के पहुंचने की आशंका के मद्देनजर करीब 1400 उड़ानें रद्द कर दी गईं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है और अधिकारियों ने सर्वोच्च स्तर का अलर्ट जारी किया है।

सरकारी ब्रॉडकास्टर चाइना सेंट्रल टेलीविजन (सीसीटीवी) के अनुसार, रविवार को शंघाई आने-जाने वाली लगभग 1,400 उड़ानें रद्द की गईं। रिपोर्ट में कहा गया कि पास के झेजियांग प्रांत में स्थित हांगझोउ हवाई अड्डे से भी 270 आने-जाने वाली उड़ानें रद्द हुईं। तूफान डॉल्फिन की वजह से पिछले दिनों जापान के ओकिनावा में भारी बारिश हुई थी। रविवार देर रात या सोमवार सुबह झेजियांग या उसके पड़ोसी प्रांत फुजियान में दस्तक देने की संभावना है। सरकार के अनुसार, ओकिनावा में सात लोगों को मामूली चोटें आईं, जिसमें 100 साल से ज्यादा उम्र का एक आदमी भी शामिल है, जो तेज हवाओं की चपेट में आकर जमीन पर गिर गया और उसका सिर फट गया। क्षेत्रीय यूटिलिटी ओकिनावा इलेक्ट्रिक पावर के अनुसार, रविवार दोपहर तक ओकिनावा में 5,290 घरों में बिजली नहीं थी। ताइवान में रविवार को तूफान की वजह से द्वीप के उत्तर में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की वजह से दर्जनों फेरी सर्विस रोक दी गईं और 180 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं।

चीन के नेशनल मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) ने रविवार सुबह रेड टाइफून अलर्ट जारी किया, जिसमें सेंट्रल और ईस्टर्न झेजियांग के कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा मूसलाधार बारिश का अनुमान लगाया गया है। रेड टाइफून अलर्ट तूफान की सबसे गंभीर चेतावनी है।

एनएमसी ने कहा कि शंघाई और फुजियान, अनहुई और जिआंग्सू प्रांतों के कुछ हिस्सों में सोमवार दोपहर तक भारी बारिश होने की भी उम्मीद है। टाइफून डॉल्फिन के जमीन पर आने के बाद इसके कमजोर होने की उम्मीद है और यह पूर्वी चीन में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा।

बिजली टैरिफ बढ़ने से बांग्लादेश में गर्मी से राहत पाना हुआ महंगा

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में गर्मी के बीच कूलिंग सुविधाओं का लाभ उठाना मुश्किल हो गया है। देश में बिजली टैरिफ बढ़ने का असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। यह कम आय वाले परिवारों के लिए जरूरी कूलिंग और भी महंगा बना सकता है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, देश में भीषण गर्मी पड़ रही है और राहत के लिए लोगों के लिए पंखा, कूलर और एसी की सुविधा महंगी साबित हो रही है।

दरअसल, बांग्लादेश एनर्जी रेगुलेटरी कमीशन (बीईआरसी) ने जून में बिजली के टैरिफ बढ़ा दिए थे। इसकी वजह से होलसेल रेट 7 टका से बढ़कर 8.39 टका प्रति किलोवाट-घंटा हो गया। देखा जाए तो बिजली के टैरिफ में यह 19.85 फीसदी की बढ़ोतरी है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, वेटेड एवरेज रिटेल टैरिफ भी 16.68 फीसदी बढ़कर 9.11 टका से 10.63 टका प्रति यूनिट हो गया। बीईआरसी ने कम वॉल्यूम वाले कंज्यूमर्स के लिए लाइफलाइन रेट्स बनाए रखे, लेकिन महीने में 50 यूनिट से कम इस्तेमाल करने वाले घरों के लिए टैरिफ 4.63 टका और 75 यूनिट से कम इस्तेमाल करने वालों के लिए 5.26 टका रखा। एडजस्टेड एवरेज रिटेल टैरिफ 10.40 टका प्रति यूनिट तय किया गया।

यह बढ़ोतरी उन घरों के लिए ज्यादा है जो कूलिंग के लिए ज्यादा बिजली इस्तेमाल करते हैं। बदले हुए टैरिफ के तहत, महीने में 76 से 200 यूनिट इस्तेमाल करने वाले रेजिडेंशियल कंज्यूमर्स को अब पहले 75 यूनिट से ज्यादा इस्तेमाल के लिए 8.50 टका प्रति यूनिट देने होंगे। पहले यह दर 7.20 टका थी। महीने में 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवार के लिए बिजली का चार्ज 1,294.50 टका से बढ़कर 1,457 टका हो गया है ।

दक्षिण कोरिया में भीषण गर्मी का असर : पालक के दाम 152 प्रतिशत बढ़े, मछली और सब्जियां भी महंगी

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया में पड़ रही भीषण गर्मी का असर अब खाद्य सामग्रियों की कीमतों पर भी पड़ने लगा है। गर्म मौसम के कारण सब्जियों, मछलियों और पशुधन की आपूर्ति घटी है, जिससे कई कृषि उत्पादों के दाम तेजी से बढ़ गए हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि कोरिया एग्रो-फिशरीज एंड फूड ट्रेड कॉरपोरेशन के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार तक एक महीने में 100 ग्राम पालक की खुदरा कीमत में 152.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में 10 खीरे की कीमत 54.8 प्रतिशत और 100 ग्राम हरी लेट्यूस की कीमत 41.7 प्रतिशत बढ़ गई। सरकार ने कीमतों में इस उछाल के लिए लंबे समय से जारी गर्मी को प्रमुख कारण बताया है। कृषि मंत्रालय के अनुसार, पालक, खीरा और तोरी जैसी सब्जियां अपेक्षाकृत ठंडे तापमान में बेहतर उगती हैं और गर्मियों में तापमान बढ़ने तथा आपूर्ति घटने के साथ इनके दाम तेजी से बढ़ सकते हैं।

भीषण गर्मी का असर पशुधन और मछली पालन क्षेत्र पर भी पड़ा है। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार तक गर्मी के कारण 9,01,602 पशुओं की मौत हो चुकी थी। इनमें करीब 95 प्रतिशत मुर्गियां और बत्तख जैसे पक्षी थे। समुद्र के बढ़ते तापमान से एक्वा फार्म भी प्रभावित हुए हैं। शुक्रवार तक गर्म पानी के कारण 8,64,497 मछलियों के मरने की सूचना मिली।

इसका असर मछलियों की कीमतों पर भी पड़ा है। 27 जुलाई से 1 अगस्त के बीच फ्लाउंडर की औसत नीलामी कीमत 22,300 वॉन (करीब 15.84 डॉलर) प्रति किलोग्राम रही, जो एक सप्ताह पहले की तुलना में 2.29 प्रतिशत अधिक थी। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले इसकी कीमत में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पाकिस्तान में माल और तेल ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल जारी, औद्योगिक और एक्सपोर्ट सप्लाई चेन में आई रुकावट

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में माल ट्रांसपोर्टर और तेल टैंकरों की देशभर में हड़ताल से इंडस्ट्रियल और एक्सपोर्ट सप्लाई चेन पर असर पड़ रहा है। माल ढोने वाली 400,000 गाड़ियों ने सर्विस रोक दी है। पाकिस्तान सिर्फ वित्तीय संकट की वजह से ही नहीं, बल्कि नौकरियों, फ्यूल और ट्रांसपोर्टेशन की वजह से भी मुश्किल में है।

स्थानीय मीडिया ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान में इंडस्ट्रियल और एक्सपोर्ट सप्लाई चेन में रुकावट आई है। सामान ट्रांसपोर्ट करने वालों और तेल टैंकरों ने पूरे देश में हड़ताल शुरू कर दी है। ऑपरेटरों ने वादा किया है कि जब तक समूह का नेतृत्व सोमवार को सरकार से बातचीत नहीं कर लेती, तब तक वे विरोध जारी रखेंगे।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान गुड्स ट्रांसपोर्टर्स अलायंस के चेयरमैन निसार हुसैन जाफरी ने कहा कि पूरे देश में उनकी हड़ताल जारी रहेगी, क्योंकि हमारी लीडरशिप सोमवार को पेट्रोलियम, ट्रांसपोर्ट और पोर्ट से जुड़े मंत्रियों से मिलने का इरादा रखती है।

उन्होंने कहा कि शनिवार से सोमवार को अधिकारियों के साथ मीटिंग तक 400,000 से ज्यादा सामान ले जाने वाली गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है। जाफरी ने कहा कि माल ट्रांसपोर्टर कई मुद्दों को लेकर देश भर में हड़ताल कर रहे हैं, जिसमें सरकार द्वारा हाल ही में लागू किया गया डेली फ्यूल प्राइस सिस्टम भी शामिल है।

दरअसल पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमत तय करने का तरीका बदल दिया है। पहले ईंधन की कीमतें साप्ताहिक या मासिक आधार पर तय होती थीं, लेकिन अब सरकार ने डेली फ्यूल प्राइस मैकेनिज्म लागू करने का फैसला किया है।

पश्चिमी कनाडा में तेजी से फैल रही जंगल की आग, 20,000 से ज्यादा लोगों को खाली करने पड़े घर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिमी कनाडा में जंगल की आग तेजी से फैल रही है। आग इतनी भयावह है कि यह ब्रिटिश कोलंबिया की ओकानागन झील के किनारे बसे शहरों की ओर बढ़ रही है और घरों और इमारतों को नष्ट कर रही है। इस वजह से 20,000 से ज्यादा लोगों को रात भर में अपने घर छोड़ने का आदेश दिया गया।

समरलैंड की पूरी कम्युनिटी को इलाके को खाली करने का आदेश दिया गया है। यहां लगभग 12,000 लोग रहते हैं। इसके साथ ही पीचलैंड और उसके आस-पास के लगभग 8,000 लोगों को भी इलाका खाली करने का आदेश दिया गया। अधिकारियों को अब तक यह पता नहीं लग पाया है कि इस आग में कितने घरों को नुकसान पहुंचा। बाल्ड रेंज जंगल की आग की खबर सबसे पहले शुक्रवार शाम को मिली थी, लेकिन कुछ ही घंटों में यह लगभग 50 वर्ग किलोमीटर (19 वर्ग मील) तक फैल गई। फॉल्डर की छोटी कम्युनिटी भी इस भयावह आग की चपेट में आ गई है और समरलैंड तक लगभग 15 किलोमीटर (9 मील) के रास्ते तक फैली है। ओकानागन-सिमिलकामीन क्षेत्रीय जिले के आपातकालीन अधिकारी एरिक थॉम्पसन ने इसे इस क्षेत्र की सबसे तेजी से फैलने और बढ़ने वाली जंगल की आग में से एक बताया।

फिलीपींस में खराब मौसम ने मचाई तबाही, भारी बारिश और तूफान से 380,000 से ज्यादा लोग प्रभावित

विश्व केसरी

मनीला। फिलीपींस के सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेज होने और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के कारण फिलीपींस के आठ क्षेत्रों में 3,80,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

फिलीपींस न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कम से कम 1,10,000 परिवार प्रभावित हुए और मरने वालों की संख्या अब भी छह ही है। इसके अलावा, सात लोग घायल हुए हैं। मौसम की गड़बड़ी से 148 घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 138 आंशिक और 10 पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने आधिकारिक रिपोर्टों के हवाले से बताया कि दो मौतें भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से, दो चट्टान खिसकने से और बाकी दो डूबने और करंट लगने से हुईं।

फिलीपींस की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने कहा कि 86 राहत शिविर सक्रिय किए गए हैं, जहां 2,200 परिवार यानी 7,300 लोग रह रहे हैं। इसके अलावा 1,132 परिवार यानी 3,700 लोग राहत शिविरों के बाहर रुके हुए हैं। रविवार को राज्य के मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून फिलीपींस के बड़े हिस्सों में भारी बारिश होती रहेगी। इनमें मेट्रो मनीला और लुजोन के कई प्रांत शामिल हैं।

फिलीपीन एटमॉस्फेरिक, जियोफिजिकल एंड एस्ट्रोनॉमिकल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (पीएजीएएसए) ने इलोकोस सुर, ला यूनियन, अबरा, बेंगुएट, जाम्बलेस, बाटान और ऑक्सिडेंटल मिंडोरो जैसे इलाकों में हल्की से तेज बारिश होने पर अचानक बाढ़ या भूस्खलन की चेतावनी दी है। विसाया और मिंडानाओ के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश और आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। पीएजीएएसए ने यह भी बताया कि डॉल्फिन तूफान दक्षिण-पश्चिम मानसून को मजबूत कर रहा है, जिससे उत्तरी लूजोन के पास समुद्र में बहुत ज्यादा तूफान आने की उम्मीद है।

हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

दिल्ली। पहलगाम में धर्म पूछकर हमारे निर्दोष नागरिकों पर कायराना आतंकी हमला किया गया था। उसके बाद हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की। हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया और दुनिया को यह बताया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह बात रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से, हमने दुनिया को बताया, हमारी नारी शक्ति के सिंदूर की रक्षा करने के लिए, हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली कैंट स्थित सेना के बेस अस्पताल में ये बातें कहीं। यहां एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।

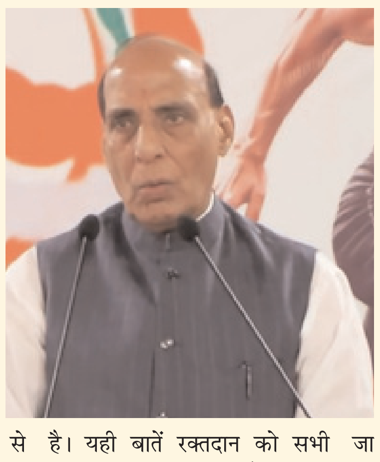

रक्षामंत्री ने बताया कि इस रक्तदान यात्रा का नाम भी बड़ा अद्भुत, 'सिंदूर' महारक्तदान यात्रा है। यह नाम खुद में एक प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हम सब जिस अवसर पर एकत्र हुए हैं, वह महा रक्तदान यात्रा का अवसर है। और यह इसलिए खास है, क्योंकि यह मानवता, सहृदयता और राष्ट्रप्रेम से जुड़ा अवसर है। रक्तदान को हम हमेशा से जीवनदान या महादान कहते आए हैं। रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, किसी प्रयोगशाला में नहीं गढ़ा जा सकता। यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर के भीतर ही बनता है और केवल एक मानव ही इसे दूसरे मानव को दे सकता है। यही बातें रक्तदान को सभी दानों में सर्वोपरि बनाती हैं।

उन्होंने बताया कि सांगली से आए हमारे सैकड़ों वीर खिलाड़ी यहां अपना रक्त देंगे। यह एक सुरक्षा कवच बनकर भविष्य में, जरूरतमंद जवानों और उनके परिवारों के लिए एक विश्वसनीय भंडार के तौर पर रहेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वैसे तो आप सभी एथलीट हैं, आपकी शारीरिक क्षमता आपकी पहचान है। लेकिन आज आपने इस शारीरिक क्षमता से भी बड़ी शक्ति का परिचय दिया है। आज आपने करुणा की शक्ति का परिचय दिया है।

दरअसल, इस आयोजन में एथलीट व अन्य लोग एक हजार यूनिट का विशाल रक्तदान भंडार समर्पित करके जा रहे हैं। यह रक्तदान भारतीय सेना के हर जवान और उनके परिवार के लिए एक विश्वास है कि जब कभी उन्हें जरूरत पड़ेगी, राष्ट्र उनके साथ खड़ा मिलेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि इससे बड़ी राष्ट्र-सेवा और क्या हो सकती है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं सभी नागरिकों, विशेषकर युवा साथियों से आग्रह करूंगा, कि हम रक्तदान को एक आयोजन नहीं, एक संस्कृति बनाएं। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष मनाएगा, तब हमारा सपना केवल एक विकसित अर्थव्यवस्था का नहीं होना चाहिए, हमारा सपना एक ऐसा संवेदनशील समाज भी होना चाहिए, जहां हर कोई स्वस्थ और सुरक्षित हो।'

उन्होंने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए तो हमारे प्रधानमंत्री ने, खेलो इंडिया और फिट के माध्यम से देश को विजन दिया है। हम सभी को, खासकर युवाओं को उनका अनुसरण करना चाहिए। क्योंकि जितना हम फिट रहेंगे, उतना ही हम समाज के लिए एक संपत्ति बनकर भी रहेंगे और तभी हम रक्तदान जैसा पुनीत कार्य भी कर पाएंगे।

पूर्णिया में एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में तीन सगे भाइयों की जलाशय में डूबने से मौत

विश्व केसरी

पटना। बिहार के पूर्णिया जिले के आलम नगर में रविवार को तीन सगे भाई जलाशय में डूब गए। मृतकों की पहचान मोफिजुल (12), तफिजुल (10) और सैराजुल (8) के रूप में हुई है। यह घटना सुबह कस्बा ब्लॉक के अंतर्गत कुल्लाखास पंचायत के वार्ड नंबर 7 में हुई।

एक अधिकारी के अनुसार आलमगीर के चार बेटे अपने घर के पास एक गोदाम के पीछे बने जलाशय में जाल से मछली पकड़ने गए थे। मछली पकड़ने के दौरान भाइयों में से एक डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में उसके दो अन्य भाई गहरे पाने में उतर गए और डूबने लगे। चौथे भाई अली हुसैन ने गांव वापस जाकर अपने परिवार को इसकी सूचना दी।

रिश्तेदार और स्थानीय निवासी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इन मौतों से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार बुरी तरह टूट गया।

कुल्लाखास पंचायत के मुखिया रंजीत पासवान ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रशासन से उन्हें सरकारी आर्थिक सहायता देने की अपील की।कस्बा अंचल अधिकारी निशांत कुमार ने डूबने से हुई मौतों की पुष्टि की और कहा कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद एक अधिकारी को घटनास्थल पर भेजा गया था।

जिला पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इस त्रासदी की वजह से आलम नगर में शोक का माहौल पैदा हुआ और दुखी ग्रामीण परिवार को सांत्वना देने के लिए इकट्ठा हुए।

संक्षिप्त खबर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में टक्कर के बाद बस पुल से गिरी, 20 लोग घायल

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में रविवार को एक सड़क हादसा हो गया। हैदराबाद-बेंगलुरु नेशनल हाईवे पर एक निजी बस दूसरे वाहन से टकराने के बाद पुल से नीचे गिर गई। इस हादसे में करीब 20 यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार हादसा पमिडी मंडल के पोगारूर के पास हैदराबाद-बेंगलुरु नेशनल हाईवे पर हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन पुल से नीचे गिर गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया।

इस दुर्घटना में 20 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें पमिडी और अनंतपुर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया। कुछ घायलों और बस चालक को निकालने के लिए जेसीबी की मदद ली गई। बस चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जाम को खुलवाया। आंध्र प्रदेश सड़क हादसों के मामले में देश के सबसे प्रभावित राज्यों में से एक है। इस साल जनवरी से जून तक राज्य में 9,194 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 4,058 लोगों की जान गई।

पश्चिम बंगाल : ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के क्वार्टर से भारी मात्रा में हथियार बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रात भर चली छापेमारी और तलाशी के बाद पश्चिम बर्धमान जिले में दुर्गापुर के स्टील-कम-इंडस्ट्रियल टाउनशिप के पास अंडाल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी रविवार सुबह तक चली। हथियार और गोला-बारूद का यह जखीरा पब्लिक सेक्टर की कंपनी 'कोल इंडिया लिमिटेड' की सब्सिडियरी 'ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड' (ईसीएल) के खाली पड़े क्वार्टरों से बरामद किया गया है। पता चला है कि एसटीएफ अधिकारी अपने साथ दो कोयला माफिया को भी ले गए थे, जिन्हें पिछले हफ्ते पड़ोसी राज्य झारखंड से गिरफ्तार किया गया था। पिछले मंगलवार को कुख्यात कोयला माफिया शमशेर हुसैन को रांची से गिरफ्तार किया गया था। उस पर कई आरोप हैं। पिछले महीने खैरुल्ल नाम के एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। पता चला है कि खैरुल्ल कोयले की तस्करी में शमशेर का साथी है। दोनों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि दोनों से लंबी पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिलीं। एसटीएफ के अधिकारियों ने शनिवार रात गिरफ्तार शमशेर और खैरुल्ल के साथ अंडाल इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया।

ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों से सीएम मांझी की अपील, गर्व से फहराएं राष्ट्रीय ध्वज

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को 'अगस्त क्रांति दिवस' के अवसर पर भुवनेश्वर में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे 9 से 17 अगस्त तक राज्य के हर गांव, पंचायत, शहर, घर, स्कूल और दफ्तर में गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान से शुरू हुए 'भारत छोड़ो' आंदोलन ने आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा दी थी।

स्वतंत्रता सेनानियों, बहादुर शहीदों और ओडिशा के अमर सपूतों को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' सिर्फ तीन रंगों का मेल नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों के आत्म-सम्मान, गर्व और उम्मीदों का प्रतीक है। केसरिया रंग साहस और बलिदान का, सफेद रंग शांति और सच्चाई का, हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है और बीच में बना अशोक चक्र हमें कर्तव्य के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ने की सीख देता है।

इस राष्ट्रीय त्योहार को पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक के झंडों का पूरी तरह से बहिष्कार करने और केवल कपड़े के झंडों का इस्तेमाल करने का जोरदार आह्वान किया। इस मौके पर एक रंगारंग पदयात्रा आयोजित की गई। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र, स्काउट्स और गाइड्स, एनसीसी और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने हाथों में तिरंगा लेकर अनुशासित ढंग से मार्च किया। ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों से आए सांस्कृतिक दलों ने अपने पारंपरिक लोक नृत्यों और कला का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने प्रमुख खिलाड़ियों और हजारों छात्रों के साथ वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए इस जुलूस में हिस्सा लिया।

...तो अंडों का सामना करना पड़ेगा, कोलकाता में बैनर लगाकर भाजपा में शामिल होने वालों को चेताया गया

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक इलाके में रविवार को एक बैनर लगाया गया, जिसमें भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को चेतावनी दी गई। बैनर में कहा गया कि अगर कोई भाजपा में शामिल होकर जबरन वसूली करता है तो उसे अंडा थेरेपी का सामना करना पड़ेगा।

सॉल्ट लेक इलाके के भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय पोइरा ने सुबह एक बैनर लगाया, जिसमें दूसरी पार्टियों के नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर चिंता जताई गई। उन्होंने कहा कि यही बात उन भाजपा नेताओं पर भी लागू हो सकती है जो जबरन वसूली में शामिल हैं।

आईएएनएस से बात करते हुए संजय पोइरा ने कहा, 'पश्चिम बंगाल की जनता ने सिंडिकेट, जबरन वसूली और 'कट मनी' (अवैध कमीशन) के खिलाफ वोट दिया है। इसलिए अभी हम देख रहे हैं कि भाजपा के दरवाजे थोड़े खुल गए हैं। इसके पीछे राष्ट्रीय हित में राजनीतिक हिसाब-किताब हो सकता है लेकिन जो लोग (तृणमूल कांग्रेस के नेता) इस थोड़े खुले दरवाजे से आ रहे हैं, वे सभी जबरन वसूली और 'कट मनी' लेने में शामिल रहे हैं।'

उन्होंने सरकार बदलने के बाद भाजपा में शामिल होने वालों को चेतावनी दी और कहा कि वे जबरन वसूली न करें, जिसके कारण पिछली सरकार को सत्ता से बाहर किया गया था।

उन्होंने कहा, 'हम 'एग थेरेपी' का सहारा नहीं लेना चाहते। हम नेताओं को चेतावनी देना चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल में इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जबरन वसूली और किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा की 'जीरो-टॉलरेंस' नीति है। इसलिए अगर वे जबरन वसूली में शामिल होते हैं, तो उन्हें अंडों का सामना करना पड़ेगा।'

परिसीमन से सीमावर्ती राज्यों को हो सकता है नुकसान : मनीष तिवारी

विश्व केसरी

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने रविवार को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का कड़ा विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि इससे उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों पर बुरा असर पड़ सकता है, जिनमें से कई राज्यों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगती हैं। देश के मध्य हिस्से को इससे अनुचित लाभ मिल सकता है।

मनीष तिवारी ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया पर कोई भी फैसला लेने से पहले उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे राज्यों की चिंताओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इस प्रस्तावित प्रक्रिया का क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन पर व्यापक असर पड़ सकता है।

उनकी यह टिप्पणी संविधान (131वां संशोधन) विधेयक और परिसीमन विधेयक, 2026 को लेकर फिर से शुरू हुई राजनीतिक बहस के बीच आई है। प्रस्तावित कानून का मकसद पहले से पारित महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 से जुड़े प्रावधानों में संशोधन करना है। इससे पहले अप्रैल में बजट सत्र के दौरान लोकसभा में अधिनियम पारित नहीं हो पाया था।

आईएएनएस से बात करते हुए मनीष तिवारी ने कहा, 'असल बात यह है कि जब मैंने अप्रैल में लोकसभा में परिसीमन बिल पर बहस की थी, तब भी कहा था कि इस परिसीमन से उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत को नुकसान होगा। अगर इस परिसीमन से किसी को फायदा होगा, तो वह सिर्फ मध्य भारत को होगा।'

सपा सांसद अवधेश प्रसाद का आरोप, अयोध्या मामले को दबाने की कोशिश कर रही सरकार

विश्व केसरी

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणी, राहुल गांधी के प्रयागराज कार्यक्रम, झारखंड छात्र विरोध और राम मंदिर ऑडिट रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा कि इतना घोटाला किया गया है, जिसको गिना ही नहीं जा सकता। इस मामले को सरकार दबाने की कोशिश कर रही है। सरकार की ओर से भले ही दबा दिया जाए, लेकिन प्रभु श्री राम माफ नहीं करेंगे। तुलसीदास ने कहा है, 'जब-जब होइ धरम कै हानी। बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी।।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि हमारी अयोध्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की धरती को कलंकित किया गया है। अयोध्या से इनकी सरकार बनी है और यहीं से ही इनका सफाया होगा। मंदिर न्यायालय के आदेश से बना है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ये राम के नाम पर व्यापार करते हैं। झारखंड में छात्रों के आंदोलन को लेकर अवधेश प्रसाद ने कहा कि सरकार समाधान नहीं करना चाहती है। सरकार का इरादा ठीक नहीं है। झारखंड देश से बाहर नहीं है। अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ है। हम लोग उनकी लड़ाई लड़ेंगे। प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि अच्छे कार्य के लिए 'इंडिया गठबंधन' बना है। बेरोजगारी, अन्याय-अत्याचार दूर करने के लिए गठबंधन का गठन किया गया है। इसमें कोई दरार नहीं डाल सकता। डिग्रियों को लेकर राहुल गांधी के बयान पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि युवा और छात्र देश की बहुमूल्य धरोहर है। छात्र और युवा देश के दौलत होते हैं। भाजपा की सरकार में युवाओं का उत्पीड़न किया जा रहा है।

सपा सांसद ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशभर से लाखों छात्र और युवा आए थे। उनके ऊपर लाठियां चलाई गईं। हमारी नेता डिंपल यादव के हाथ में भी चोट आई। अखिलेश यादव और राहुल गांधी को हिरासत में लिया गया। इस मामले पर पूरे विपक्ष की मांग है कि गृह मंत्री सदन में आएं। अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि सरकार सदन नहीं चलने देना चाहती है। छात्रों की कोई जाति नहीं, वे किसी एक जिले के नहीं हैं। अवधेश प्रसाद ने कहा, 'जब-जब देश के छात्रों ने अगुवाई की है, तब-तब सत्ता बदली है। आपातकाल के वक्त छात्र सड़कों पर आ गए थे और सत्ता का परिवर्तन हुआ था। नकल विरोधी अध्यादेश पर जब सदन में चर्चा चल रही थी, तब उस समय भी न तो प्रधानमंत्री और न तो गृह मंत्री सदन में मौजूद थे।

दिल्ली की गर्मी से बचने शिमला पहुंचे पर्यटक सुहावने मौसम और वीकेंड का ले रहे आनंद

विश्व केसरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इन दिनों पर्यटकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। सुहावना मौसम, ठंडी हवाएं और खूबसूरत पहाड़ पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर पर्यटक शिमला पहुंच रहे हैं।

दिल्ली से परिवार के साथ शिमला पहुंचे एक पर्यटक ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान से हैं, लेकिन इस समय दिल्ली में रह रहे हैं। वीकेंड मिलते ही उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ शिमला घूमने का प्लान बनाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इन दिनों काफी गर्मी है, ऐसे में शिमला आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां का मौसम बेहद सुहावना है और पूरा परिवार घूमने का आनंद ले रहा है।

पर्यटक ने बताया कि वह पहले भी शिमला आ चुके हैं, लेकिन इस बार उन्हें यहां काफी बदलाव और विकास देखने को मिला। उन्होंने कहा कि शहर में सुविधाओं में सुधार हुआ है और विकास कार्य भी नजर आ रहे हैं। मौसम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि शिमला का खुशनुमा वातावरण ही सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने बताया कि नौकरी और बच्चों की पढ़ाई के कारण अक्सर लंबी छुट्टी निकालना मुश्किल होता है, लेकिन तीन-चार दिन का छोटा टूर जरूर बनाया जा सकता है।

रांची में आदिवासी महोत्सव का आगाज, 10 हजार कलाकारों ने निकाली शोभायात्रा

विश्व केसरी

रांची। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति रविवार को रांची की सड़कों पर जीवंत हो उठी। भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क से निकली भव्य जतरा (शोभायात्रा) के साथ दो दिवसीय राजकीय आदिवासी महोत्सव का आगाज हुआ।

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने जेल मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क से जतरा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जतरा करम टोली चौक और एसएसपी आवास होते हुए मोरहाबादी पहुंची। इसके साथ ही राजधानी में आदिवासी संस्कृति और परंपरा का उत्सव शुरू हुआ। जतरा में राज्य के सभी जिलों से करीब 10 हजार कलाकार शामिल हुए। संथाल, मुंडा, हो, उरांव, खड़िया, खरवार सहित विभिन्न जनजातीय समुदायों के कलाकार पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों में नजर आए। उनके हाथों में पारंपरिक वाद्ययंत्र थे। मांदर, नगाड़ा, ढोल और बांसुरी की धुनों ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया। जतरा के दौरान छह झांकियां भी निकाली गईं। इनमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और बलिदान को प्रदर्शित किया गया। झांकियों में आदिवासी जीवन, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की भी झलक दिखाई गई। जतरा के रास्ते में बड़ी संख्या में लोग कलाकारों का उत्साह बढ़ाने के लिए जुटे। पारंपरिक नृत्य और संगीत ने रांची की सड़कों को सांस्कृतिक मंच में बदल दिया। मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि ऐसे आयोजन केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं हैं। ये नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान झारखंड की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनकी विरासत को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कलाकारों और आयोजन से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि झारखंड की आदिवासी संस्कृति की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। आदिवासी महोत्सव के आयोजन में राज्य के विभिन्न हिस्सों की सांस्कृतिक परंपराओं को मंच मिलेगा। इसके जरिए लोकनृत्य, लोकसंगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जनजातीय जीवन की विविधता को सामने लाया जाएगा। कार्यक्रम में विभाग के प्रधान सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव सह सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन, परियोजना निदेशक आईटीडीए रांची मनीषा तिर्की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

एयर इंडिया टर्बुलेंस मामले में बोले पायलट यूनियन के प्रमुख, डोप टेस्ट पॉजिटिव आने पर रद्द हो सकता है पायलट का लाइसेंस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पायलट यूनियन के प्रमुख ने रविवार को कहा कि रास्ते में टर्बुलेंस का सामना करने वाली एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट का डोप परीक्षण पॉजिटिव पाए जाने पर उसका उड़ान लाइसेंस रद्द किया जा सकता है और अन्य दंड भी भुगतने पड़ सकते हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के प्रेसिडेंट कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि एयरलाइन ने अभी तक डोपिंग टेस्ट के नतीजे आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो जाती, वे उन रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, जिनमें पायलट के टेस्ट में पॉजिटिव आने का दावा किया गया है।

उन्होंने कहा, 'अभी एयरलाइन की तरफ से डोपिंग टेस्ट के नतीजे आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किए गए हैं, इसलिए हम आधिकारिक पुष्टि का इंतजार करेंगे। मैं इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा कि टेस्ट पॉजिटिव है।'

रंधावा ने कहा कि अगर टेस्ट पॉजिटिव आता है, तो पायलट का लाइसेंस रद्द होने के साथ-साथ जुर्माना और अन्य कार्रवाई भी हो सकती है, जो पायलट के भविष्य पर असर डाल सकती है।

उन्होंने आगे कहा, 'अगर टेस्ट पॉजिटिव आता है, तो इसके कारण पायलट का लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। पायलट पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है और भविष्य में उसे कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन फिर भी, मैं यही कहूंगा कि हमें डोपिंग टेस्ट की रिपोर्ट का इंतजार करना होगा और उसके बाद ही हम इस पर कोई टिप्पणी कर सकते हैं।'

उनके ये बयान उन खबरों के बीच आए हैं जिनमें कहा गया है कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के कैप्टन का साइकोएक्टिव पदार्थों का टेस्ट कथित तौर पर पॉजिटिव आया था। इस फ्लाइट के दौरान जबरदस्त टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा था, जिससे कई यात्री और क्रू मेंबर घायल हो गए थे।

एयर इंडिया ने कहा है कि वह सिविल एविएशन नियमों के तहत क्रू मेंबर का रेगुलर ड्रग टेस्ट करती है। हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि पायलटों के फ्लाइट के बाद किए गए स्क्रीनिंग टेस्ट के नतीजे उसे नहीं बताए गए थे।

एयर इंडिया की फ्लाइट एआई2379 के तौर पर उड़ रही एयरबस ए320 को ओडिशा के ऊपर उड़ान भरते समय जबरदस्त टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा और अचानक इसकी ऊंचाई में करीब 300 फीट का बदलाव आया।

मेटा को भारतीय कानूनों का करना होगा पालन, केवल उनकी वैश्विक नीतियां पर्याप्त नहीं : सरकारी सूत्र

नई दिल्ली। मेटा के प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों और नियमों का पालन करते हुए काम करना होगा और कंपनी के साथ हाल की बातचीत का मकसद यह पक्का करना था कि उसकी नीतियां और कंटेंट मॉडरेशन के तरीके देश के कानूनी ढांचे के मुताबिक हों, न कि सिर्फ कंपनी के ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुसार। यह बयान सरकारी सूत्रों ने रविवार को दिया।

सरकारी सूत्रों ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह कहना तथ्यों के हिसाब से गलत होगा कि केंद्र ने मेटा को अपने रिकमेंडेशन एल्गोरिदम में पूरी तरह से बदलाव करने का निर्देश दिया है।

इसके बजाय, चल रही बातचीत का मकसद यह पक्का करना रहा है।

कि कंपनी की कंटेंट पॉलिसी, नियमों को लागू करने के तरीके और प्लेटफॉर्म गवर्नेंस भारतीय कानूनी जरूरतों के मुताबिक हों।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार की एक मुख्य चिंता यह है कि देश के बाहर काम करने वाली टीमों को भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता की कम समझ है।

धिकारियों का कहना है कि कंटेंट मॉडरेशन से जुड़े फैसलों को ज्यादा असरदार और सटीक बनाने के लिए मेटा को बेहतर स्थानीय जानकारी की जरूरत है, जिसमें भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक बारीकियों की बेहतर समझ शामिल है।

सरकार ने बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) पर भी कड़ा रुख अपनाया है और फिर से कहा है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसे कंटेंट के लिए कोई जगह नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि सीएसएएम का होना लागू नियमों का गंभीर उल्लंघन है और उम्मीद है कि मेटा ऐसे मटीरियल का पता लगाने और उसे हटाने के लिए ज्यादा मजबूत और सक्रिय सुरक्षा उपाय लागू करेगा।

अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की जरूरत होगी।

बातचीत में डीपफेक कंटेंट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सरकारी सूत्रों ने कहा कि अधिकृत या वेरिफाइड अकाउंट से पब्लिश किए गए कंटेंट को ऑटोमेटेड सिस्टम के जरिए गलती से डीपफेक नहीं माना जाना चाहिए।

ऐसे मामलों की संवेदनशीलता को देखते हुए, अधिकारियों ने 'ह्यूमन-इन-द-लूप' रिव्यू प्रोसेस की वकालत की, ताकि यह पक्का किया जा सके कि कंटेंट को हटाने का फैसला लेने से पहले उसकी ठीक से जांच हो।

सरकार ने सिंथेटिक रूप से बनाए गए कंटेंट के बारे में भी चिंता जताई, जो डीपफेक के तौर पर पहचाने और हटाए जाने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर दोबारा दिखाई देता है।

सूत्रों ने बताया कि मेटा से उन उपायों के बारे में बताने को कहा गया है जो वह ऐसे कंटेंट को हटाए जाने के बाद दोबारा आने और दोबारा शेयर होने से रोकने के लिए अपना रहा है।

घुंघराले बालों की देखभाल में न करें ये गलतियां, जानिए इन्हें मुलायम और मजबूत रखने का आसान तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। घुंघराले बाल देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं, उन्हें संभालना उतना ही मुश्किल हो सकता है। ऐसे बालों का आपस में उलझ जाना और नमी की कमी से रूखे-बेजान हो जाना जैसी समस्याएं लगभग हर घुंघराले बाल वाले शख्स की रोज की परेशानी हैं। घुंघराले बालों को बार-बार कंघी करना या जरूरत से ज्यादा धोना समस्या को और बढ़ा सकता है। अच्छी खबर ये है कि इसके लिए महंगे प्रोडक्ट की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान आदतें बदलनी हैं।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि हर व्यक्ति के बाल अलग होते हैं। इसलिए किसी एक व्यक्ति के लिए सही तरीका दूसरे के लिए भी वैसा ही हो, यह जरूरी नहीं है।

सबसे पहले बात बाल धोने की। घुंघराले बालों को हर दिन धोना जरूरी नहीं है। कितनी बार बाल धोने चाहिए, यह सिर की त्वचा में तेल, पसीना, धूल और डैंड्रफ जैसी समस्याओं पर निर्भर करता है। अगर सिर की त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो बार-बार शैम्पू

करने की जरूरत नहीं पड़ती। बहुत ज्यादा सफाई करने से बालों में मौजूद प्राकृतिक तेल कम हो सकता है और बाल रूखे महसूस होते हैं। अपने बाल और सिर की त्वचा की जरूरत के हिसाब से शैम्पू करना बेहतर है।

शैम्पू लगाते समय एक और बात ध्यान रखें। इसे मुख्य रूप से सिर की त्वचा पर लगाकर सफाई करनी चाहिए। बालों की पूरी लंबाई को जोर-जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं होती। शैम्पू का झाग बालों की लंबाई तक पहुंचकर उसे साफ करता है। अगर बाल धोने के बाद बहुत सूखे या उलझे हुए लगते हैं, तो हल्का शैम्पू और अच्छा कंडीशनर मददगार हो सकता है।

कंडीशनर घुंघराले बालों के लिए काफी काम की चीज है। कंडीशनर बालों की सतह को चिकना बनाने में मदद करता है। इससे बाल आपस में कम उलझते हैं और कंघी करना आसान होता है। शोध के मुताबिक, कंडीशनर बालों के बीच होने वाली रगड़ को कम करता है, जिससे बालों को सुलझाते समय होने वाले नुकसान भी कम होते हैं। इसलिए शैम्पू के बाद बालों की लंबाई और सिरों पर कंडीशनर लगाना फायदेमंद हो सकता है।

बालों को सुखाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है। नहाने के बाद तौलिये से बालों को जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथ से पानी सोखें। गीले बालों को खींचकर कंघी करने से भी बचना चाहिए। घुंघराले बालों में बार-बार खिंचाव और रगड़ से टूटने का खतरा बढ़ता है। बालों को मुलायम रखने के लिए हेयर सीरम या लीव-इन कंडीशनर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ध्यान, यूपी एनएचएम ने बताया सही स्नैक चुनने का तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर भूख लगने पर आसानी से मिल जाने वाली चीजें खा लेते हैं, जैसे चाय के साथ समोसा, कचौड़ी, चिप्स, नमकीन, मिठाई या पेस्ट्री। इन चीजों का स्वाद अच्छा होता है और थोड़ी देर के लिए पेट भी भर जाता है लेकिन अगर ऐसी चीजें रोज खाने की आदत बन जाए तो वजन बढ़ने और दूसरी स्वास्थ्य परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं इसके बदले अगर फल, भुने चने, ड्राई फ्रूट्स और सलाद जैसी चीजें खाई जाएं, तो यह शरीर को ज्यादा जरूरी पोषक तत्व दे सकते हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें लोगों से रोज के नाश्ते में थोड़ा बेहतर चुनाव करने की अपील की गई है।

एनएचएम के मुताबिक, समोसा, चिप्स और नमकीन जैसी चीजें तेल और नमक की मात्रा बढ़ा सकती हैं। इन्हें तलने के दौरान इनमें

काफी तेल चला जाता है। इसलिए थोड़ी मात्रा खाने पर भी शरीर को ज्यादा कैलोरी मिल सकती है, जिससे धीरे-धीरे वजन बढ़ता है। वहीं, ज्यादा नमक खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ती है, जिसका असर ब्लड प्रेशर पर पड़ सकता है। लंबे समय तक हाई ब्लड प्रेशर रहने से दिल और किडनी पर भी दबाव बढ़ता है। इसलिए रोज-रोज चिप्स और नमकीन खाने के बजाय इन्हें कभी-कभार और कम मात्रा में खाना बेहतर माना जाता है।

मिठाई और पेस्ट्री में चीनी के साथ-साथ तेल या मक्खन जैसी चीजों की मात्रा भी ज्यादा होती है। ज्यादा चीनी खाने से शरीर को जरूरत से ज्यादा कैलोरी मिलती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ सकता है। डब्ल्यूएचओ भी ज्यादा चीनी वाले खाने को सीमित करने की सलाह देता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि मिठाई बिल्कुल नहीं खानी चाहिए, बल्कि इसे रोज का नाश्ता बनाने से बचना चाहिए। इसके मुकाबले ताजे फल काफी अच्छा विकल्प हैं।

सेब, अमरूद, संतरा, पपीता, केला जैसे फलों में फाइबर, विटामिन और कई जरूरी तत्व मिलते हैं। फाइबर पेट को कुछ समय तक भरा हुआ रखने में मदद करता है। फल और सब्जियां नियमित रूप से खाने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

भुने चने भी हेल्दी स्नैक होते हैं। चने में प्रोटीन और फाइबर अच्छी मात्रा में होता है। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों के लिए जरूरी है, जबकि फाइबर पेट को देर तक भरा रखने में मदद करता है। इसी वजह से भूख लगने पर भुने चने खाने से बार-बार कुछ खाने की इच्छा कम होती है। ड्राई फ्रूट्स, खासकर बादाम, अखरोट और काजू, भी पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें वसा, प्रोटीन और फाइबर मिलता है। अखरोट और बादाम को दिल की अच्छी सेहत से जोड़ा जाता है लेकिन इन्हें थोड़ी मात्रा में ही खाना चाहिए, क्योंकि इनमें कैलोरी ज्यादा होती है।

वहीं फ्रेश सलाद की बात करें, तो इसमें खीरा, टमाटर, गाजर और दूसरी कच्ची सब्जियां शामिल की जा सकती हैं। इनमें पानी, फाइबर, विटामिन और कई जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। सलाद पेट भरने में मदद करता है और आम तौर पर इसमें कैलोरी कम होती है।

पेट और हिप की चर्बी को कहें अलविदा, उष्ट्रासन से शरीर बनेगा ज्यादा लचीला और मजबूत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग सिर्फ शरीर को फिट रखने का तरीका नहीं, बल्कि पूरे शरीर और मन को संतुलित रखने की एक बेहतरीन प्रक्रिया है। अगर आप कमर और गर्दन के दर्द, पेट और हिप की चर्बी से परेशान रहते हैं या शरीर में लचीलापन बढ़ाना चाहते हैं, तो उष्ट्रासन (कैमल पोज) को अपनी योग रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उष्ट्रासन करने के लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठें। इसके बाद घुटनों और पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखते हुए घुटनों के बल खड़े हो जाएं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए शरीर को पीछे की ओर झुकाएं और दोनों हाथों को अपनी एड़ियों

पर रखें। इस दौरान गर्दन को अचानक या झटके से पीछे न ले जाएं। अंतिम स्थिति में जांघें जमीन के लगभग सीधी रहती हैं और शरीर का वजन हाथों व पैरों पर संतुलित रहता है। इस मुद्रा में 10 से 30 सेकंड तक सामान्य सांस लेते हुए रुक सकते हैं। उष्ट्रासन शरीर की लचक बढ़ाने में मदद कर सकता है। खासकर कमर, कंधों और गर्दन में जकड़न महसूस करने वालों के लिए यह उपयोगी योगासन माना जाता है। शरीर को पीछे की ओर मोड़ने से पेट और हिप्स के आसपास की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे इस हिस्से चर्बी कम होने में मदद मलती है। हालांकि सिर्फ एक योगासन से चर्बी कम होने की गारंटी नहीं है। इसके लिए संतुलित खान-पान और नियमित शारीरिक गतिविधि भी जरूरी है। यह आसन पाचन तंत्र को सक्रिय रखने में भी मददगार हो सकता है।

साथ ही, छाती को फैलाने वाली इस मुद्रा से सांस लेने की क्षमता और शरीर की ऊर्जा पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। नियमित योगाभ्यास के साथ इसका अभ्यास शरीर को मजबूत और ज्यादा लचीला बनाने में सहायक हो सकता है।

सुबह जल्दी उठना क्यों है फायदेमंद? आयुर्वेद से जानिए दिन की सही शुरुआत का राज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल देर रात तक जागना और सुबह देर से उठना आम बात हो गई है। लेकिन यही आदत आगे चलकर बीमारियों का कारण बन जाती है। आयुर्वेदिक परंपरा में 'ब्रह्ममुहूर्ते उत्तिष्ठेत' यानी ब्रह्ममुहूर्त में उठने की सलाह दी गई है। माना जाता है कि दिन की शुरुआत अगर सही तरीके से हो, तो उसका सकारात्मक असर शरीर और मन दोनों पर पड़ सकता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ब्रह्म मुहूर्त को आमतौर पर सूर्योदय से करीब दो घंटे पहले का समय माना जाता है। इस समय वातावरण शांत, ताजा और अपेक्षाकृत स्वच्छ होता है। रात की अच्छी नींद के बाद शरीर को जरूरी आराम मिल

चुका होता है और मन भी नई ऊर्जा के साथ दिन की शुरुआत के लिए तैयार रहता है। सुबह का शांत माहौल ध्यान, योग, प्राणायाम और आत्मचिंतन जैसे कामों के लिए अनुकूल माना जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार, सुबह जल्दी उठने की नियमित आदत मन को अधिक सजग, केंद्रित और शांत रखने में मदद कर सकती है। जब दिन की शुरुआत बिना जल्दबाजी के होती है, तो व्यक्ति अपने जरूरी कामों की बेहतर योजना बना सकता है। सुबह कुछ समय अपने लिए निकालने से सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक शांति महसूस करने में भी मदद मिल सकती है।

सुबह की ताजी हवा में टहलना, हल्का व्यायाम, योग और प्राणायाम करना भी अच्छा माना जाता है।

आपकी छोटी-छोटी लापरवाही बन सकती है डायरिया का कारण, ऐसे करें बचाव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। डायरिया यानी दस्त एक आम बीमारी लग सकती है, लेकिन अगर समय रहते सही देखभाल न की जाए तो यह खासकर छोटे बच्चों के लिए गंभीर समस्या बन सकती है। हालांकि डायरिया से बचाव कोई मुश्किल काम नहीं है। हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें बच्चों और पूरे परिवार को इस बीमारी से काफी हद तक सुरक्षित रख सकती हैं।

सबसे जरूरी है हाथों की सफाई। खाना खाने या खिलाने से पहले और शौचालय का इस्तेमाल करने के बाद साबुन और साफ पानी से हाथ जरूर धोने चाहिए। कई बार गंदे हाथों के जरिए कीटाणु खाने और पानी तक पहुंच जाते हैं और यही डायरिया की बड़ी वजह बनते हैं।

साफ और सुरक्षित पीने का पानी भी बेहद जरूरी है।

घर में इस्तेमाल होने वाले पानी को साफ और ढककर रखे गए बर्तनों में रखना चाहिए। बच्चों को हमेशा साफ और सुरक्षित पानी ही पिलाएं। पानी को खुले बर्तन में रखने से उसमें गंदगी और कीटाणु पहुंच सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

छोटे बच्चों के लिए जन्म के बाद पहले 6 महीने तक केवल मां का दूध ही दिया जाता है। इसके बाद उम्र के हिसाब से पौष्टिक और सही पूरक आहार देना चाहिए। मां का दूध बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है और कई संक्रमणों से बचाव करता है।

घर और आसपास की साफ-सफाई पर भी ध्यान देना जरूरी है। शौच के लिए हमेशा शौचालय का इस्तेमाल करें और बच्चों को भी इसकी आदत डालें। नालियों और आसपास जमा गंदगी की नियमित सफाई करें, क्योंकि गंदा वातावरण बीमारियों को बढ़ावा दे सकता है।

अगर बच्चे या किसी अन्य व्यक्ति को डायरिया हो जाए तो शरीर में पानी की कमी न होने दें। ऐसे समय में ओआरएस और जिंक दिया जा सकता है।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास, शाहनवाज को ब्रॉन्ज

एजेंसी ■

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है। इसके साथ ही, भारतीयों ने 2021 की अंडर 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है। इवेंट खत्म होने में अभी एक दिन बाकी है और भारत के पास टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड कायम करने का सुनहरा मौका है।

इससे पहले, भारत की महिलाओं की 4x400 मीटर रिले टीम - जिसमें भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं ने अपनी हीट में टॉप तीन में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने 3:39.53 का समय लिया, जबकि अमेरिका (3:32.66) और ऑस्ट्रेलिया (3:33.68 - सीजन का सर्वश्रेष्ठ) उनसे आगे रहे।

भूमिका ने निडर होकर शानदार शुरुआत (55.81) की। तहुरा ने भारत की उम्मीदें बनाए रखीं (54.54), जबकि तनु ने तीसरे चरण में जबरदस्त दौड़ (53.87) लगाकर टीम को आगे बढ़ाया और थिया अरुमुगम ने दबाव के बावजूद रेस पूरी की (55.31)। शनिवार को आशीष ने जैवलिन थ्रो इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए मेडल का खाता खोला था। उत्तर प्रदेश के 19 वर्षीय आशीष यादव 2016 में नीरज चोपड़ा के बाद इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले भारत के पहले थ्रोअर बने।

सीडब्ल्यूजी 2026: उपलब्धि के बाद पीएम मोदी से मिलने का इंतजार, खिलाड़ियों में उत्साह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार शाम 4 बजे 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026' में देश का मान बढ़ाने वाले भारतीय एथलीट्स से मुलाकात करेंगे, जिसे लेकर खिलाड़ियों में काफी उत्साह नजर आ रहा है।

पैरा-एथलीट और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेंस शॉट पुट एफ57 के सिल्वर मेडलिस्ट शुभम जुयाल ने 'आईएएनएस' से कहा, 'जब कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए मेरा चयन हुआ, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मुझे भरोसा था कि भारत को दो मेडल मिलेंगे—एक सोमण राणा को और एक मुझे। कॉमनवेल्थ गेम्स का अनुभव भी मेरे लिए बहुत अच्छा रहा, क्योंकि यह मेरा पहला बड़ा इवेंट था। मैंने इस अनुभव से बहुत कुछ सीखा। मुझे यकीन है कि जो मैंने इस बार सीखा है, वह भविष्य की प्रतियोगिताओं में मेरी मदद करेगा।'

उन्होंने कहा, 'अनुशासन, निरंतरता और सही इरादा आपको हमेशा मदद करता है। मुझे लगता है कि हमें सरकार से काफी मदद और समर्थन मिला है। अगर आप इस साल टूटे नेशनल रिकॉर्ड्स की संख्या को देखें, तो यह वाकई काबिल-ए-तारीफ है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर शुभम जुयाल कहते हैं, 'कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद हमारा शेड्यूल काफी व्यस्त था, और अब मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का मौका मिला है। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा अवसर है, क्योंकि बहुत कम लोगों को अपने देश के प्रधानमंत्री से मिलने का मौका मिलता है। ऐसी उपलब्धि के बाद, यह मुलाकात और भी खास हो जाती है। प्रधानमंत्री को खेलों में भी बहुत दिलचस्पी है।'

2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में विमेंस डिस्कस थ्रो की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सीमा कालीरमन ने कहा, 'प्रत्येक एथलीट का सपना होता है कि उसे ऐसा अनुभव मिले। हमारे प्रधानमंत्री हर तरह से एथलीट्स का समर्थन करते हैं और हर मामले में हमारा हौसला बढ़ाते हैं। वह समय-समय पर हमारा हाल-चाल भी पूछते रहते हैं।

जैसे ही हमने मेडल जीता, उन्होंने हमें बधाई भी दी। उनका तहेदिल से धन्यवाद। पीएम मोदी बहुत विनीत स्वभाव के हैं।'

ग्लासगो में 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में मेंस शॉट पुट एफ57 में गोल्ड मेडल जीतने वाले पैरा-एथलीट सोमन राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर कहा, 'मैं सेना से हूं। आज प्रधानमंत्री से मिलने का मौका पाकर बहुत खुश हूं। कॉमनवेल्थ गेम्स में जीत के बाद उनसे मिलना और उनका आशीर्वाद पाना मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक और उत्साह बढ़ाने वाला रहा है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। पीएम हमारा हौसला बढ़ाते रहें। हम देश के लिए मेडल जीतते रहेंगे।

सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है; चोटें आज के क्रिकेट का अहम हिस्सा हैं: वीवीएस लक्ष्मण

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि आधुनिक दौर के शीर्ष स्तर के खेलों में चोट लगना एक अनिवार्य हिस्सा है। उन्होंने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की भूमिका सिर्फ चोटिल खिलाड़ियों के पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका दायरा इससे कहीं व्यापक है। सपोर्ट स्टाफ, सेलेक्टर और टीम मैनेजमेंट के बीच बहुत अच्छा तालमेल है।

सीनियर पुरुष और महिला टीमों को अलग-अलग मौकों पर चोटों की समस्या का सामना करना पड़ा है। इसे देखते हुए लक्ष्मण ने बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, सचिव देवजीत सैकिया, कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट और संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया के साथ रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इन सभी ने लक्ष्मण के साथ बेंगलुरु के बाहरी इलाके में करीब 40 एकड़ में फैले इस हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में चोटों की बढ़ती समस्या पर चर्चा करने के लिए एक मीटिंग भी की।

लक्ष्मण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सीओई सिर्फ एक रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतरीन प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए इसकी भूमिका और भी बड़ी है। यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन जाहिर है, जब कोई टॉप लेवल पर खेलता है, तो उसे शत प्रतिशत से ज्यादा देना होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते, तो आप अपनी भूमिका या टीम में चुने जाने के मकसद के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि आज के खिलाड़ियों को उस समय की तुलना में कहीं ज्यादा क्रिकेट खेलना पड़ता है जब मैं खेलता था। जाहिर है, टी20 और तीनों फॉर्मेट के आने से ऐसा हुआ है, लेकिन यहीं पर सीओई और एसएसएम स्टाफ की पहल खिलाड़ियों के काम आएगी।

यह सिर्फ अनुबंध वाले या चुने हुए खिलाड़ियों के लिए नहीं है, बल्कि इससे राज्य स्तर के खिलाड़ियों को भी फायदा होगा। इसलिए, मुझे लगता है कि चोटें किसी भी खिलाड़ी के खेल का एक अहम हिस्सा होती हैं।

लेक्सिंगटन ओपन: पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने जीता डबल्स टाइटल

विश्व केसरी ■

लेक्सिंगटन । भारत के निकी कलियांडा पूनाचा और इक्वाडोर के गोंजालो एस्कोबार की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेक्सिंगटन ओपन में मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने एक सेट गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी की।

तीसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने केंटकी के लेक्सिंगटन में खेले गए फाइनल में अमेरिकी जोड़ी आंद्रे इलागन और कार्ल पोलिंग को 6-7 (1), 6-3, 11-9 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पूनाचा-गोंजालो को फाइनल मैच जीतने में एक घंटा और 42 मिनट का समय लगा। यह पूनाचा का 11वां एटीपी चैलेंजर डबल्स खिताब और 2026 सीजन का पांचवां खिताब था। एटीपी चैलेंजर सर्किट पर पूनाचा और एस्कोबार का यह साथ में पहला खिताब है।

31 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने जून में थाईलैंड के प्रुच्य इसारो के साथ 'ओपन सोप्रा स्टेरिया डी ल्योन' का खिताब जीता था। उन्होंने इस साल की शुरुआत में साकेत मायनेनी के साथ 'बेंगलुरु ओपन 2 एटीपी चैलेंजर 50' और इसारो के साथ 'मिनोरका एटीपी चैलेंजर 100' और 'चेन्नई एटीपी चैलेंजर 50' भी जीता था।

पहले सेट में, भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने चौथे गेम में शुरुआती ब्रेक हासिल किया, लेकिन सातवें गेम में अपनी सर्विस गंवाने के कारण वे पिछड़ गए। टाई-ब्रेक में, पूनाचा और एस्कोबार कोई जवाब नहीं ढूंढ पाए और पहले सेट को 6-7 से गंवा बैठे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे गेम में ब्रेक हासिल किया। उन्होंने पूरे सेट के दौरान अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर नौवें गेम में एक और निर्णायक ब्रेक हासिल करके मैच को सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया।

सुपर टाई-ब्रेक में, कोई भी जोड़ी दो अंकों से ज्यादा की बढ़त नहीं बना पाई और मुकाबला बराबरी का बना रहा। हालांकि, पूनाचा और एस्कोबार 7-9 के स्कोर के साथ हार के कगार पर थे। इसके बाद पूनाचा-गोंजालो की जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल करके मैच का पासा पलट दिया। इस दौरान उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए और फिर शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।

भारत बनाम श्रीलंका: बतौर कप्तान सर्वाधिक मैच खेलने वाले 5 खिलाड़ी, धोनी का नाम भी लिस्ट में शामिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होनी है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर टीम इंडिया के श्रीलंका के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। आइए आपको उन पांच खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिन्होंने बतौर कप्तान भारत-श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक मैच खेले हैं।

अर्जुन रणतुंगा : भारत-श्रीलंका के बीच हुए टेस्ट मुकाबलों में बतौर कप्तान सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड अर्जुन रणतुंगा के नाम दर्ज है। उन्होंने भारत के खिलाफ श्रीलंका की ओर से कुल 13 टेस्ट मैच खेले। इन 13 टेस्ट मैचों में श्रीलंका को एक में भी जीत नसीब नहीं हुई। 13 मैचों में से श्रीलंका को 5 में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे।

विराट कोहली: श्रीलंका के खिलाफ भारत की ओर से कप्तान के तौर पर सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ कुल 9 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की अगुवाई की है। इस दौरान टीम को 6 मैचों में जीत मिली, जबकि सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

कनाडा ओपन: अलेक्जेंड्रोवा ने सबालेंका को हराकर बनाई फाइनल में जगह

विश्व केसरी ■

टोरंटो । कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला।

इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं।

दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी।

अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी। उन्होंने दो ब्रेक और मैच प्वाइंट तो बचाए, लेकिन तीसरे प्वाइंट पर हार गईं और सेट व मैच 7-6(3), 4-6, 6-4 से गंवा दिया।

दूसरी ओर, एलिना स्वितोलिना ने अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ 6-2, 6-4 से आसान जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला था जब दो बार की एनबीओ चैंपियन जेसिका पेगुला को 15वें नंबर की खइलाड़ी डायना श्नाइडर ने सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया था।

'फिट इंडिया मूवमेंट' को आगे बढ़ाने की पहल अभियान में बदली: मनसुख मांडविया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के हनोल से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 85वें संस्करण की अगुवाई की। यह कार्यक्रम 'नशा मुक्त भारत' थीम और 'फिटनेस को हां कहें, नशे को न कहें' संदेश पर केंद्रित रहा।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत आयोजित इस पहल ने भारत के युवाओं को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान में सबसे आगे रखा। इसमें शामिल लोगों ने नशे से दूर रहने और एक स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली अपनाने की सामूहिक शपथ ली।

'संडे ऑन साइकिल' को एक जन-आंदोलन बताते हुए मनसुख मांडविया ने कहा, 'मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री की 'फिट इंडिया मूवमेंट' को आगे बढ़ाने की पहल एक बड़े अभियान में बदल गया है। देश भर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश पहुंचाया है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा दिसंबर 2024 में शुरू किए गए 'संडे ऑन साइकिल' में पूरे भारत में 30 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। दिल्ली में यह बड़ा कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य बातों में से एक 'नशा मुक्त भारत' की सामूहिक शपथ थी, जिसके दौरान 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने नशीले पदार्थों से मुक्त जीवन जीने और अपने परिवारों, दोस्तों और समुदायों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

फिटनेस गतिविधियां रविवार सुबह जल्दी शुरू हुईं। सुबह 5:30 बजे तक एक हजार से अधिक नागरिक योग और जुम्बा सहित विभिन्न फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे। इसके बाद प्रतिभागियों ने प्रतिष्ठित इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास 5 किलोमीटर की साइकिल सवारी की। कार्यक्रम स्थल पर एक समर्पित गेम जोन भी बनाया गया था, जिसमें कैरम, शतरंज, लूडो और बैडमिंटन के साथ-साथ बैडमिंटन, टग-ऑफ-वॉर (रस्साकशी) और बाधा दौड़ जैसी फिटनेस गतिविधियां शामिल थीं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415